R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 03
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
गुरुवार, 11 सितम्बर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 तिरंगा फाड़ने की निन्दा, दोषी लोगों के खिलाफ ... 5 मोटरसाइकिल चोर गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की ... 7 शहनाज़ गिल के भाई शहनाज़ गिल की बिग ...

इलाहाबाद हाईकोर्ट का बड़ा फैसला : आजम खान को डूंगरपुर कांड में मिली जमानत

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने बुधवार को रामपुर के डूंगरपुर कांड में जेल में बंद समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान को जमानत दे दी। न्यायमूर्ति समीर जैन की एकल पीठ ने पिछले 12 अगस्त को बहस के बाद फैसला सुरक्षित रखते हुए यह फैसला सुनाया। रामपुर के चर्चित डूंगरपुर कांड से जुड़े एक मामले में रामपुर एमपी एमएलए कोर्ट द्वारा दी गई 10 साल की सजा के खिलाफ आजम खान ने हाईकोर्ट में आपराधिक अपील दायर की थी।

इस मामले में, ठेकेदार बरकत अली ने भी सजा के खिलाफ इलाहाबाद उच्च न्यायालय में आपराधिक अपील दायर की है। दोनों ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अपील लंबित रहने तक जमानत देने की मांग की थी। इस मामले में, ठेकेदार बरकत अली को भी इलाहाबाद उच्च न्यायालय से जमानत मिल गई थी। दोनों की आपराधिक अपील पर उच्च न्यायालय में एक साथ सुनवाई चल रही है। 30 मई, 2024 को रामपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने आज़म खान को दस साल की सजा सुनाई थी। आज़म खान ने इस सजा को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। इस मामले में बरकत अली ठेकेदार को सात साल की सजा सुनाई गई थी।

डूंगरपुर मामले में, अबरार नाम के एक व्यक्ति ने अगस्त 2019 में रामपुर के थाना गंज में सपा नेता आज़म खान, सेवानिवृत्त सीओ आले हसन खान और ठेकेदार बरकत अली उर्फ फकीर मोहम्मद समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। शिकायतकर्ता अबरार के अनुसार, दिसंबर 2016 में आज़म खान, सेवानिवृत्त सीओ आले हसन खान और बरकत अली पर उनके घर में तोड़फोड़ करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया था। इसके साथ ही, उनके घर को भी ध्वस्त कर दिया गया था। तीन साल बाद 2019 में, अबरार ने थाना गंज में मामला दर्ज कराया।

दिल्ली सरकार इहबास को प्राथमिकता के आधार पर पुनर्जीवित करेगी : सीएम रेखा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को घोषणा की कि उनकी सरकार पूर्वी दिल्ली स्थित 'इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड अलाइड साइंसेज' (इहबास) को प्राथमिकता के आधार पर पुनर्जीवित करेगी। मुख्यमंत्री ने संस्थान का औचक निरीक्षण करने के बाद आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने इस महत्वपूर्ण चिकित्सा संस्थान की उपेक्षा की। उन्होंने बताया कि यह अस्पताल प्रतिदिन 2, 500 से 3, 000 ओपीडी मरीजों को देखता है, लेकिन यहां मूलभूत जांच सुविधाओं की कमी है। उन्होंने कहा कि सरकार संस्थान में महत्वपूर्ण डायग्नोस्टिक अवसंरचना की व्यवस्था करेगी।

गुप्ता ने कहा, ''यह अस्पताल न सिर्फ दिल्ली, बल्कि एनसीआर के मरीजों को भी न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के लिए इलाज उपलब्ध कराता है। मुझे इहबास को लेकर कई शिकायतें मिली थीं। यहां 2012 से एमआरआई मशीन नहीं है और सीटी स्कैन मशीन भी उपलब्ध नहीं है। एक्स-रे की सुविधाएं भी सीमित हैं।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस संस्थान के लिए नए भवन का निर्माण करेगी और चालू वित्त वर्ष में एमआरआई, अल्ट्रासाउंड और सीटी स्कैन जैसी जांच सुविधाओं का इंतजाम किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि सबसे पहले अस्पताल के लिए एक नई ओपीडी का निर्माण किया जाएगा, जिसके बाद मुख्य इमारत का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विषम परिस्थितियों के बावजूद मरीजों का इलाज करने के लिए चिकित्सकीय टीम की सराहना भी की।

एमपी में की राजनीति में 'जीजा जी' की एंट्री! सुनते ही शरमा गए सीएम मोहन फिर दिया 50, 000 का नकद इनाम

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश की राजनीति में मामा के बाद जीजा जी की एंट्री हो चुकी है। चौंकिए मत...जैसे शिवराज सिंह चौहान को प्रदेश की जनता प्यार से मामा कहकर बुलाती है, ठीक वैसे ही सीएम डॉ मोहन यादव को जीजा के नए रिश्ते से बुलाया गया है। ये किया है लोकगायिका राखी द्विवेदी ने। उन्होंने एक जनसभा में सीएम डॉ. मोहन यादव को संबोधित करते हुए एक गीत गाया। 'दिलदारों में दिलदारष्ठमोहन जीजा जी हमार' । गीत की एक पंक्ति में आया ये शब्द 'मोहन जीजा जी हमार' सुनकर वहां मौजूद सब लोग हैरान हो गए, वहीं सीएम साहब तो शरमा ही गए, लेकिन बाद में उन्होंने आभार स्वरूप गायिका को 50, 000 रुपए का इनाम दे दिया।

दरअसल, रीवा जिले के देवतालाब में एक जनसभा का आयोजन किया गया था। जहां सीएम मोहन यादव जनसभा को संबोधन करने पहुंचे थे। इसी सभा में लोक गायिका राखी द्विवेदी भी शामिल थी। जैसे ही उनके हाथ में माइक आया उन्होंने भरी सभा में गीत गाकर हर किसी का दिल मोह लिया।

जैसे ही लोक गायिका राखी द्विवेदी ने मंच से सीएम को संबोधित किया और एक गाने के लिए इजाजत मांगी। जैसे ही सीएम ने हां कहा राखी ने गाना शुरु किया। गीत के बोल सुनते ही पहले तो सीएम मोहन शरमा गए, उन्होंने अपना चेहरा हाथों से ढक लिया। लेकिन पूरा गीत सुनकर वे खुश हो गए।

लोक गायिका राखी के इस गीत को सुनकर सीएम मोहन यादव इतने खुश हो गए कि वो खुद को रोक नहीं पाए। जैसे ही गीत पूरा हुआ, उन्होंने राखी द्विवेदी को 50, 000 रुपए का नकद इनाम भी दे दिए। यही नहीं उन्होंने लोक गायिका की तारीफ भी की, उन्होंने कहा कि, विंध्य की मिट्टी और यहां की लोक संस्कृति उनका गर्व है। जनता का यह अपनापन उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है।'

सीएम मोहन यादव के लिए गाया लोक गायिका राखी द्विवेदी का

ये गाना सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस गीत के बोल सुनकर यूजर्स का कहना है कि अब मामा नहीं, 'जीजाजी' चलेगा। इतना ही नहीं एक यूजर ने लिखा एमपी को एक नया रिश्तेदार मिल गया। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा कि जीजा जी छा गए।

नेपाल में अशांति गहरायी, 215 आंध्र प्रदेश के लोग फंसे सुरक्षित वापसी के लिए सरकार का युद्धस्तर पर एक्शन

तेलंगाना **(एजेंसी)**। नेपाल में अशांति के बीच, आंध्र प्रदेश के रियल टाइम गवर्नेंस (आरटीजी) मंत्री नारा लोकेश ने पड़ोसी देश के विभिन्न क्षेत्रों में फंसे तेलुगु नागरिकों के लिए बचाव कार्यों के समन्वय का कार्यभार संभाला है। मंत्री नारा लोकेश बुधवार को राज्य सचिवालय स्थित रियल टाइम गवर्नेंस (आरटीजी) केंद्र पहुँचे और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। आंध्र प्रदेश भवन के अधिकारियों ने उन्हें ज़मीनी हालात से अवगत कराया और बताया कि अब तक 215 तेलुगु लोगों के फंसे होने की सूचना मिली है।

स्थिति को गंभीरता से लेते हुए, मंत्री लोकेश ने अधिकारियों को फंसे हुए लोगों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए युद्धस्तर पर कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने तत्काल राहत पहुँचाने, फंसे हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने और नियमित रूप से जानकारी देने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान मंत्री ने अधिकारियों से कहा, 'उनकी सुरक्षा और कुशलक्षेम के बारे में हर दो घंटे में जानकारी ली जानी चाहिए।' मंत्री ने वीडियो कॉल के माध्यम से वहां फंसे कुछ नागरिकों से भी बातचीत की, जिनमें सूर्यप्रभा भी शामिल थीं, जिन्होंने उन्हें मुक्तिनाथ की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी दी, जहां कई तेलुगु तीर्थयात्री एक होटल में फंसे हुए हैं।

मंत्री नारा लोकेश ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार, केंद्र सरकार के साथ निकट समन्वय में, सभी तेलुगु नागरिकों को सुरक्षित घर वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस बीच, नेपाल में, काठमांडू की दिल्लीबाजार जेल के कैदियों का एक बड़ा समूह बुधवार को जेल परिसर से बाहर निकल आया और देशव्यापी भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों से उत्पन्न अशांति के बीच अपनी रिहाई की मांग की। राजधानी में नियंत्रण बनाए रखने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के संघर्ष के बीच, आगे की स्थिति को रोकने के लिए जेल के अंदर और आसपास नेपाली सेना को तैनात किया गया है।

यह स्थिति तब सामने आई जब कई हिरासत केंद्रों की सुरक्षा की देखरेख कर रहे पुलिसकर्मी, कथित तौर पर पुलिस मुख्यालय को छोड़कर अपने पदों से हट गए, मुख्य रूप से जेनरेशन जेड प्रदर्शनकारियों के नेतृत्व में दो दिनों के हिंसक प्रदर्शनों के बाद। कानून प्रवर्तन एजेंसियों के पीछे हटने के साथ, नेपाल सेना ने संभावित सामूहिक तोड़फोड़ या हिंसक झड़पों को रोकने के लिए जेलों की सुरक्षा की प्रमुख ज़िम्मेदारी संभाली है।

कांग्रेस का देशभर में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' अभियान तेज, राहुल बोले- साबित होकर रहेगा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को अपने रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र का दौरा करते हुए कहा कि 'वोट चोर, गद्दी छोड़' का नारा पूरे देश में साबित हो रहा है और कांग्रेस पार्टी इसे बार-बार, और भी नाटकीय तरीकों से साबित करती रहेगी। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राहुल गांधी के निर्वाचन क्षेत्र में ही एक रैली निकालकर कांग्रेस नेता के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। पार्टी ने बिहार में संपन्न हुई 'मतदाता अधिकार यात्रा' के मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माँ पर की गई अपमानजनक टिप्पणियों के खिलाफ एक रैली निकाली। पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाजपा के झंडे और तख्तियाँ लेकर कांग्रेस सांसद के खिलाफ नारे लगाए। पुलिस अधिकारी भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश कर रहे थे और कुछ लोगों के सड़क पर बैठ जाने के बाद प्रदर्शनकारियों को सड़क से हटाने की कोशिश कर रहे थे। उत्तर प्रदेश के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने भी इस विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया और उत्तर प्रदेश के मंत्री ने एएनआई को बताया कि हम मांग करते हैं कि राहुल गांधी देश से माफ़ी मांगें।' राहुल गांधी हरचंदपुर और ऊंचाहार विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे। बाद में वह शांति ग्रैंड होटल में प्रजापति समाज के प्रतिनिधियों से बातचीत करेंगे। कांग्रेस ने चुनावों में कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ अपनी रैलियाँ और आंदोलन जारी रखा है। पार्टी के छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट ने राज्य में मांग की है कि कथित चुनावी गड़बड़ियों के लिए ज़िम्मेदार लोग तुरंत 'गद्दी छोड़ दें'। पायलट ने पूरे छत्तीसगढ़ में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' अभियान को तेज़ करने की घोषणा की।

देखिए हमारे पड़ोसी राज्यों में क्या हो रहा है

नेपाल में विरोध प्रदर्शनों के बीच सीजेआई गवई ने संविधान को सराहा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने बुधवार को नेपाल में चल रहे हिंसक विरोध प्रदर्शनों का हवाला देते हुए भारतीय संविधान की सराहना की। सीजेआई गवई ने यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट में प्रेसिडेंशियल रेफरेंस पर सुनवाई के दौरान की। उन्होंने कहा कि हमें अपने संविधान पर गर्व है। देखिए हमारे पड़ोसी देशों में क्या हो रहा है... हमने देखा है कि नेपाल में क्या हुआ। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने भी मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी का समर्थन करते हुए कहा कि बांग्लादेश में भी तनाव व्याप्त है। नेपाल जेनरेशन ज़ेड के नेतृत्व में भीषण हिंसा से जूझ रहा है।

शुरुआत में यह विरोध प्रदर्शन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर सरकार के प्रतिबंध के कारण भड़के थे, लेकिन बाद में यह भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन में बदल गए। गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर उतरकर कई सरकारी और निजी इमारतों में आग लगा दी। कई नेताओं और सरकारी अधिकारियों के घरों और दफ्तरों में भी तोड़फोड़ की गई। प्रदर्शनकारियों द्वारा शांति की बार-बार की गई अपीलों को लगातार अनसुना करने के बाद, मंगलवार को सेना ने संघर्षग्रस्त देश की बागडोर अपने हाथ में ले ली। व्यवस्था बहाल करने के लिए, सेना ने पूरे देश में कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं, जिससे लोगों की आवाजाही और सभाओं पर रोक लग गई है। ये कदम ऐसे समय में उठाए गए हैं जब स्थिति लगातार बिगड़ रही है और सुरक्षा बल स्थिरता बहाल करने के लिए काम कर रहे हैं।

नेपाल में जल्द ही जेन-जेड प्रदर्शनकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक होने की उम्मीद है। इस बैठक का एजेंडा उनके आंदोलन के अगले कदमों पर निर्णय लेना और मौजूदा संकट के दौरान भविष्य की रणनीतियों की रूपरेखा तैयार करना है। इस बीच, तीन दिनों से चल रहे हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच जेलों से भागने का एक गंभीर मामला सामने आया है। 18 जिलों की जेलों से 6, 000 से ज़्यादा कैदी फरार हो गए हैं। खबरों के मुताबिक, कुछ कैदी गेट तोड़कर, तो कुछ चारदीवारी तोड़कर भागने में कामयाब रहे।

तमिलनाडु पुलिस से विजय को सभा की मिली इजाजत, लगाई गई खास शर्तें

चेन्नई **(एजेंसी)**। तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के अध्यक्ष विजय को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली (जिसे त्रिची भी कहा जाता है) जिले के मरक्कड़ई इलाके में एक सभा को संबोधित करने की अनुमति दे दी गई है, लेकिन शहर के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सिबिन ने 23 सख्त शर्तें लगाई हैं। टीवीके महासचिव आनंद और त्रिची जिला सचिव करिकालन ने शर्तों को स्वीकार करते हुए लिखित में वचन दिया है, जिसके बाद पुलिस उपायुक्त द्वारा आधिकारिक अनुमति पत्र जारी किया जाएगा। पुलिस द्वारा लगाई गई प्रमुख शर्तों में विजय सुबह 10:30 से 11:00 बजे के बीच केवल 30 मिनट ही बोल सकते हैं; पार्टी कार्यकर्ताओं को सुबह 9:30 बजे तक कार्यक्रम स्थल पर पहुंचना होगा; रोड शो की अनुमति नहीं है; विजय के काफिले में उनकी कार के आगे और पीछे केवल पांच वाहन हो सकते हैं; अतिरिक्त वाहनों की अनुमति नहीं होगी; टीवीके को चिकित्सा सुविधाओं, एम्बुलेंस और अग्निशमन सेवा वाहनों की व्यवस्था करनी होगी।

इनके साथ ही, अन्य प्रमुख शर्तें हैं बच्चों, गर्भवती महिलाओं और दिव्यांग व्यक्तियों को कार्यक्रम में नहीं लाया जाना चाहिए; सार्वजनिक यातायात बाधित नहीं होना चाहिए; शंकु के आकार के लाउडस्पीकरों पर प्रतिबंध है; समर्थक लंबे झंडे नहीं ले जा सकते; स्कूली छात्रों, हवाई अड्डे के यात्रियों, अस्पताल जाने वालों और एम्बुलेंस को बाधित न करने के लिए विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। पुलिस ने स्पष्ट किया कि टीवीके नेताओं के लिखित आश्वासन के बाद ही अंतिम अनुमति पत्र जारी किया जाएगा। इससे पहले 27 अगस्त कोकन्नम पुलिस ने अभिनेता और तमिल वेट्री कझगम (टीवीके) प्रमुख विजय और उनके बाउंसरों के खिलाफ उनके समर्थक सरथकुमार द्वारा पेरम्बलुर जिला एसपी कार्यालय में की गई शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि विजय के बाउंसरों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और टीवीके प्रमुख और उनके बाउंसरों के खिलाफ तीन धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

बिहार को मोदी कैबिनेट की 7500 करोड़ की सौगात, वैष्णव बोले- विकास को मिली गति

पटना **(एजेंसी)**। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बिहार में 7, 500 करोड़ की एक रेलवे और एक राजमार्ग परियोजना को मंज़ूरी दे दी है। वैष्णव ने कहा कि देश में बुनियादी ढाँचे के निर्माण की गति बेहतर हुई है। बुधवार को कैबिनेट ब्रीफिंग के दौरान वैष्णव ने कहा कि आज की कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो बड़ी बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को मंज़ूरी दी है। वैष्णव ने आगे कहा कि बिहार में बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के 4-लेन ग्रीनफ़ील्ड एक्सेस-कंट्रोल्ड मोकामा-मुंगेर सेक्शन के निर्माण को कैबिनेट ने मंज़ूरी दे दी है।

कैबिनेट ने बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में भागलपुर-दुमका-रामपुरहाट सिंगल रेलवे लाइन सेक्शन (177 किलोमीटर) के दोहरीकरण को मंज़ूरी दी है, जिसकी कुल लागत 3, 169 करोड़ रुपये है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इसमें 3, 169 करोड़ रुपये का निवेश होगा। यह बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल को जोड़ने वाली एक बेहद महत्वपूर्ण परियोजना भी है। अगर हम इस परियोजना को मानचित्र पर देखें, तो यह बिहार से शुरू होकर रामपुरहाट में झारखंड और पश्चिम बंगाल को जोड़ती है। अभी चलने वाली ज़्यादातर ट्रेनें भागलपुर से मालदा टाउन और रामपुरहाट होते हुए हावड़ा जाती हैं।

उन्होंने आगे कहा कि इस दोहरीकरण के बाद, कई ट्रेनें भागलपुर से दुमका और वहाँ से सीधे रामपुरहाट जा सकेंगी। कई पैसेंजर ट्रेनें, मेल एक्सप्रेस ट्रेनें इससे होकर गुज़र सकेंगी और यह देवघर तीर्थस्थल को भी जोड़ती है। एक तरह से, दक्षिण बिहार को कोलकाता से जिस कनेक्टिविटी की ज़रूरत है, वह इस परियोजना से पूरी हो जाती है। वैष्णव ने कहा, 'दोनों परियोजनाएँ तीन वर्षों में पूरी हो जाएँगी। राजमार्गों और रेलवे निर्माण, दोनों की गति बेहतर हुई है।'

मोकामा-मुंगेर खंड मोकामा, बड़हिया, लखीसराय, जमालपुर, मुंगेर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय शहरों से होकर गुजरता है या उन्हें कनेक्टिविटी प्रदान करता है, जो भागलपुर से जुड़ता है। 82.4 किलोमीटर लंबी इस परियोजना का निर्माण हाइब्रिड एन्युइटी मोड के तहत ?4, 447.38 करोड़ की पूंजीगत लागत से किया जाएगा। विज्ञप्ति में आगे कहा गया है, 'मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव से परिचालन आसान होगा और भीड़भाड़ कम होगी, जिससे भारतीय रेलवे के सबसे व्यस्त खंडों पर आवश्यक बुनियादी ढाँचागत विकास संभव होगा।'

विज्ञप्ति में कहा गया है, 'इन परियोजनाओं की योजना पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बनाई गई है, जिसका उद्देश्य एकीकृत योजना और हितधारकों के परामर्श के माध्यम से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ाना है। ये परियोजनाएँ लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी।'

शिवकुमार ने ईडी के कांग्रेस विधायक को गिरफ्तार करने की निंदा की

बेंगलुरु **(एजेंसी)**। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि कोई परिस्थिति ऐसी नहीं थी कि प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कांग्रेस विधायक सतीश सैल को गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी के नेताओं को 'राजनीतिक कारणों से चुनिंदा तरीके से निशाना बनाया जा रहा है।' ईडी ने राज्य में कथित अवैध लौह अयस्क निर्यात से जुड़े धन शोधन मामले में सैल को गिरफ्तार किया। शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''सतीश सैल को गिरफ्तार करने की कोई परिस्थिति नहीं थी। (इस मामले में) 2010 से ही चीजें चल रही हैं। राजनीति के लिए, कांग्रेस के लोगों को चुनिंदा तरीके से निशाना बनाया जा रहा है।''

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, उत्तर कन्नड़ जिले के कारवार से विधायक 59 वर्षीय सैल को मंगलवार देर रात ईडी के बेंगलुरु क्षेत्रीय कार्यालय में पूछताछ के बाद हिरासत में ले लिया गया। वह हाल के हफ्तों में केंद्रीय एजेंसी द्वारा गिरफ्तार किए जाने वाले कर्नाटक कांग्रेस के दूसरे विधायक हैं। पिछले महीने, ईडी ने कथित अवैध सट्टेबाजी से जुड़े धन शोधनमामले में चित्रदुर्ग के विधायक के. सी. वीरेंद्र पप्पी को गिरफ्तार किया था। सेल के खिलाफ मामला कथित तौर पर उनसे जुड़ी एक कंपनी द्वारा लौह अयस्क के अवैध निर्यात से संबंधित है। ईडी की जांच 2010 के कर्नाटक लोकायुक्त मामले से जुड़ी है, जिसमें बेल्लारी से बेलेकेरी बंदरगाह तक लगभग आठ लाख टन लौह अयस्क का अवैध परिवहन होने का पता चला था।

होटल में पत्नी को भाजपा नेता के साथ बिस्तर पर देख उतारा मौत के घाट, अब वकील बन सरेंडर

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जनपद में भाजपा नेता और पूर्व जिला पंचायत सदस्य रणधीर यादव को अगवा कर हत्या करने वाले उदय यादव ने पुलिस को चकमा देकर कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। वकीलों की तरह काली पैंट और सफेद शर्ट में उदय कोर्ट पहुंचा था। रणधीर के साथ पत्नी अंजली और बेटे को लेकर उदय जुलाई में नैनीताल घूमने गया था। इसी दौरान अंजली को रणधीर के साथ आपत्तिजनक हालत में देखकर आग बबूला हो गया था। कुछ दिन बाद अंजली की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। 22 अगस्त को रणधीर को भी उदय ने मौत के घाट उतार दिया था। रणधीर की लाश रेलवे ट्रैक पर फेंका था। कई टुकड़े होने से पहचान भी नहीं हो सकी थी। रणधीर की पत्नी ने उदय के खिलाफ तहरीर दी तो एक के बाद एक कड़ियां जुड़ती गईं और पुलिस ने 28 अगस्त को मामले का खुलासा किया था। उदय का साथ देने वाले करीब आठ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। उदय की तलाश हो रही थी।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य रणधीर यादव 22 अगस्त को अचानक लापता हो गए थे। उनकी पत्नी जिला पंचायत सदस्य बबली यादव ने अपहरण की आशंका जताते हुए पति के ही दोस्त उदय यादव के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस की जांच में पता चला कि रणधीर और उदय में अच्छी दोस्ती थी। रणधीर का सोशल मीडिया अकाउंट भी उदय ही देखता था। लगभग दो महीने पहले रणधीर यादव को लेकर उदय यादव, अपनी पत्नी अंजलि यादव और आठ साल के बेटे के साथ नैनीताल घूमने गया था। अंजलि के कहने पर होटल के एक ही कमरे में चारों ठहरे थे।

रणधीर यादव ने उदय को खाना लाने को भेजा था, जबकि अंजलि ने अपने बेटे को बाहर खेलने को छोड़ दिया। उदय जब लौटा तो रणधीर और अंजलि को आपत्तिजनक स्थिति में देखकर सन्न रह गया। उस दौरान विवाद भी हुआ।

वहां से लौटने के बाद उसने अपनी पत्नी को उसके मायके छोड़ दिया। इसी बीच 11 जुलाई को अंजलि की मायके में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने बिना पुलिस को सूचना दिए ही शव का दाह संस्कार भी कर दिया था। पुलिस का माना है कि उदय ही पत्नी की मौत भी हत्या हो सकती है। इसके बाद उदय ने रणधीर यादव की हत्या की साजिश रची। साजिश में उसने अपने भाई विजय यादव, भतीजे राम सिंह यादव, नौकर सुजीत श्रीवास्तव और सास लीला देवी को भी मिलाया।

साजिश के तहत 22 अगस्त को राम सिंह यादव अपने साथ रणधीर यादव को हथिगहां के रवि ढाबा ले गया। जहां दोनों ने जमकर शराब पी। इसके बाद फाफामऊ के मलाक हरहर गए। जहां स्कार्पियो में उदय यादव, विजय यादव व सुजीत श्रीवास्तव भी सवार हो गए। इसके बाद रणधीर का गला दबाकर मौत के घाट उतार दिया। शव को ठिकाने लगाने की नीयत से रेलवे ट्रैक पर फेंक कर सभी फरार हो गए।

पुलिस को उसी रात बमरौली स्टेशन के आउटर के पास सूबेदारगंज की तरफ जाने वाली रेल पटरी पर टुकड़ों में शव तो मिला लेकिन पहचान नहीं हो सकी। स्टेशन मास्टर की सूचना पर पूरामुफ्ती थाने की पुलिस ने शव को 72 घंटे बाद भी शिनाख्त नहीं होने से लावारिस में दाह संस्कार करा दिया था। मामले का खुलासा होने पर रणधीर यादव के पिता राम अभिलाष यादव ने कपड़े व फोटो के आधार पर शिनाख्त की। इसके बाद गिरफ्तारी शुरू हुई। उदय तभी से फरार था।

दोपहिया वाहनों के लिए आज से खुला रहेगा फाफामऊ पुल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मरम्मत कार्य के लिए फाफामऊ पुल पर लिए गए ट्रैफिक ब्लॉक के कारण बुधवार को पहले ही दिन शहरियों की मुसीबत बढ़ गई। सुबह दफ्तर और स्कूल जाने के लिए कर्मचारी व छात्र-छात्राएं निकले तो जाम से जूझना पड़ा।

लोगों ने लाख मुसीबत झेल कर्जन ब्रिज का रास्ता पकड़ा तो वहां भी खतरा दिखा। इसकी सूचना मिलने के बाद जिला व यातायात पुलिस प्रशासन ने शाम को बैठककर निर्णय लिया कि गुरुवार से दोपहिया वाहनों के लिए फाफामऊ पुल को खोला जाएगा। एडीएम सिटी सत्यम मिश्र ने बताया कि गुरुवार से दोपहिया वाहनों के लिए फाफामऊ पुल को खोला जाएगा।

जिससे आवागमन सुगम हो। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को इस बात का पूरा ध्यान रखना होगा कि यह सहूलियत केवल दोपहिया वाहनों के लिए दी गई है। शेष वाहनों के लिए पूर्व में घोषित किया गया डायवर्जन लागू रहेगा।

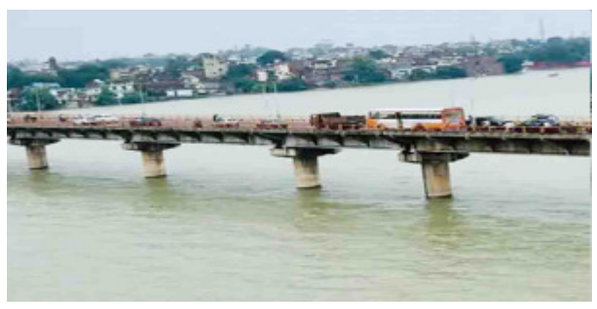

बारहवीं के छात्र की सहपाठियों ने चाकू मारकर हत्या की

मंत्र भारत संवाददाता

करछना। थानाक्षेत्र के लालाकापुरा स्थित इंदिरा गांधी इंटर कॉलेज में बुधवार सुबह बारहवीं के छात्र अवनीश पांडेय की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि उसी की कक्षा के दो छात्रों ने विद्यालय की छत पर अवनीश की हत्या कर दी। इसके बाद छत से कूदकर भाग निकले। पुलिस ने मृतक छात्र के पिता की तहरीर पर आरोपी दोनों छात्रों समेत छह लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है। हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। हालांकि तहरीर में पुरानी रंजिश का जिक्र किया गया है। कौंधियारा थानाक्षेत्र के गढ़वा निवासी अमित पांडेय का पुत्र 17 वर्षीय अवनीश पांडेय इंदिरा गांधी इंटर कॉलेज में बारहवीं का छात्र था।

उसके छोटे भाई दसवीं के छात्र दिग्विजय पांडेय ने बताया कि सुबह लगभग साढ़े 11 बजे दो छात्र अवनीश को अपने साथ स्कूल की छत पर ले गए। जहां चाकू के पहले वार से अवनीश की शर्ट फट गई, फिर दूसरा वार सीधे उसके गले पर लगा। इससे अवनीश लहूलुहान होकर गिर गया। जिसके बाद दोनों आरोपी छात्र छत से कूदकर धान के खेत से होते हुए फरार हो गए। हत्यारोपी दोनों छात्र माही गांव के बताए जा रहे हैं। प्रधानाचार्य की सूचना पर करछना पुलिस पहुंची और अवनीश को सीएचसी करछना भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वारदात की जानकारी होते ही अवनीश के परिजन रोते-बिलखते पहुंच गए। मृतक के पिता की तहरीर पर हत्यारोपी दोनों छात्र के अलावा गढ़वाकला गांव के विजय कुमार पांडेय, रामेश्वर प्रसाद तिवारी व डिम्पू पांडेय और भराव गांव के पप्पू मिश्रा के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की गई है। मृतक के परिजनों ने पुरानी रंजिश में साजिश के तहत अवनीश की हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

प्राथमिक शिक्षकों ने डीएम कार्यालय पर किया प्रदर्शन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ प्रयागराज द्वारा सभी शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ बुधवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। शिक्षकों को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष शंकर चंद्र ने कहा कि केंद्र सरकार ने शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 में संशोधन कर टीईटी लागू होने से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए टीईटी उत्तीर्ण करना अनिवार्य कर दिया है जो पूरी तरह से अव्यावहारिक है। जिससे लाखों शिक्षक मानसिक अवसाद की स्थिति में हैं। यह स्थिति ठीक नहीं है। पूर्व जिला मंत्री गोपीकृष्ण तिवारी ने कहा कि केंद्र सरकार अपने उस संशोधन को निरस्त कर शिक्षकों को राहत प्रदान करें।

सेवा में आने के समय की अर्हता को बाद में परिवर्तित करना सही नहीं है। धरना को वरिष्ठ उपाध्यक्ष अब्दुल कुद्दूस खान, जिला मंत्री आरती जायसवाल, कोषाध्यक्ष विजय लक्ष्मी, संयुक्त मंत्री मनोज कुमार पाण्डेय ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर अरविंद कुमार मिश्र, गुंजन सिंह, मयंक कुमार तिवारी, मनोज कुमार पाण्डेय, रिचा मिश्रा, अपर्णा योगेश्वर, कमलेश यादव, देवेन्द्र सिंह, रतन शर्मा, मनोज कुमार शुक्ल सहित शिक्षक उपस्थित रहे। अंत में अपर जिलाधिकारी नगर को प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया।

पारिवारिक कलह बनी हत्या की वजह, पति फरार

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के दमगड़ा गांव में आरोप है कि पति ने पारिवारिक कलह के चलते बीते सोमवार की रात पत्नी का गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद वह घर से फरार हो गया। मामले में मृतका की मां की तहरीर पर उतरांव पुलिस ने पति समेत पांच के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस पति को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। थाना क्षेत्र के दमगड़ा गांव निवासी मोहम्मद मुस्ताक का बेटा अनवर अली अभी एक माह पहले सऊदी अरब से आया हुआ था। आर्थिक तंगी के चलते काफी परेशान था। आजीविका के लिए मुंबई जाना चाहता था लेकिन ससुर वाजिद अली मना कर देते थे।

जिससे पैसे के आभाव में घर का खर्च नहीं पूरा हो पाता था। घर में अवैध संबंध की भी बात कही जा रही है। इसी वजह से अक्सर वह तनाव में रहता था। सोमवार की रात घटना के पहले पत्नी सलमा बानो से विवाद भी हुआ था। खाना खाने के बाद पति पत्नी बच्चों सहित कमरे में सोने चले गए। आरोप है कि रात में पति अनवर अली ने अपनी पत्नी सलमा बानो को मार डाला। पत्नी की मौत हो गई यह सुनिश्चित करने के बाद दरवाजे की कुंडी चढ़ा कर भाग गया। अनवर की मां दरवाजे पर सोई हुई थी। कमरे में बच्चों की रोने की आवाज आई तो उठकर जाकर देखी तो उसके होश उड़ गए। मंगलवार सुबह घटना की जानकारी होते ही आस पड़ोस के घरों के लोग मौके पर पहुंच गए। सलमा बानो के परिजनों को घटना की सूचना दी गई। परिजन पहुंचे तो उसकी हालत को देखकर उनको शंका हुई की बेटी की हत्या हुई है। इसके पहले मृतका को दफनाने के लिए कब्र भी खोद ली गई थी। सूचना पर उतरांव पुलिस मौके पर पहुंच गई। मृतका की मां साजिदा बेगम की तहरीर पर पुलिस ने पति अनवर अली, ससुर मुस्ताक, देवर तौसीफ, गुड़िया, गुड्डी जेठान सहित पांच के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। थानाध्यक्ष उतरांव पंकज त्रिपाठी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबने से उसकी मौत हुई है, जांच की जा रही है।

कौशाम्बी में प्रशासनिक फेरबदल चायल एसडीएम बने अरुण कुमार

कौशाम्बी। प्रशासनिक व्यवस्था के तहत सोमवार को डीएम मधुसूदन हुल्गी ने अतिरिक्त मजिस्ट्रेट रहे अरुण कुमार को एसडीएम चायल का दायित्व सौंपा है। जबकि, एसडीएम चायल रहे आकाश सिंह को अतिरिक्त मजिस्ट्रेट बनाया गया है। इसी प्रकार चायल के नायब तहसीलदार को मंझनपुर भेजा गया है। एडीएम (वित्त एवं राजस्व) शालिनी प्रभाकर ने बताया कि नायब तहसीलदार मंझनपुर रहे मोबीन अहमद को अभिलेखागार में तैनाती दी गई है।

मण्डलायुक्त ने किया कम्पोजिट विद्यालय का निरीक्षण

कौशाम्बी। मण्डलायुक्त ने कम्पोजिट विद्यालय चिल्ला सहबाजी के निरीक्षण के दौरान निपुण तालिका का अवलोकन किया एवं कार्यरत समस्त अध्यापकों को निर्देशित किया कि सितम्बर माह में पाठ्यक्रम के अनुसार प्रत्येक विद्यार्थी के दक्षताओं के अनुसार प्रतिदिन नियमानुसार निपुण तालिका का अवलोकन किया जाय। उन्होंने रसोई घर के निरीक्षण के दौरान मध्यान्ह भोजन में दाल, चावल बना था, जो मीनू के अनुसार सही पाया गया। कक्षा-02 की छात्रा सविता देवी से अंग्रेजी में नाम पूँछा गया। साथ ही उसी कक्षा में अध्ययनरत ऋषि नाम के विद्यार्थी से उसके नाम का अर्थ पूछा गया, तो छात्र द्वारा अपने नाम का अर्थ सही बताया गया।

डीएम ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत लाभार्थी सविता देवी को रुपए 02 लाख धनराशि का चेक किया प्रदान

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने बुधवार को कार्यालय कक्ष में प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत लाभार्थी सविता देवी को रुपए 02 लाख धनराशि का चेक प्रदान किया।

ज्ञात हो कि मुख्य प्रबंधक अंकित सरीन ने बताया कि लाभार्थी सविता देवी के पति स्व. इंद्रराज का बैंक खाता भारतीय स्टेट बैंक मंझनपुर में था, उनका बीमा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत बीमा कराया गया था। स्व. इंद्रराज का आकस्मिक देहांत हो जाने के कारण उनकी पत्नी सविता देवी को यह लाभ प्रदान किया गया है।

जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को रिया व प्रिया का विद्यालय में तत्काल एडमिशन करवाने के दिए निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी की जनता दर्शन में प्रार्थी बसंत लाल निवासी-बलीपुर नारा ने प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया कि उनका मकान जीर्ण-शीर्ण होने के कारण गिर गया है, आवास की मांग की गई।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि बसंत लाल को शीघ्र आवास की सुविधा उपलब्ध कराए जाने के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय। इसके साथ ही उन्होंने जिला पूर्ति अधिकारी को राशन कार्ड बनाने, जिला कार्यक्रम अधिकारी को बसंत लाल के बच्चों के लिए पुष्टाहार उपलब्ध करवाने, मुख्य चिकित्साधिकारी को आयुष्मान कार्ड बनवाने एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी को कन्या सुमंगला योजना के अंतर्गत लाभान्वित करने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने प्रार्थी बसंत लाल के साथ आई उनकी बेटियों रिया एवं प्रिया को स्कूल ड्रेस एवं शिक्षण सामाग्री प्रदान करते हुए प्रतिदिन स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को रिया एवं प्रिया का तत्काल एडमिशन विद्यालय में कराने के निर्देश दिए।

मिजोरम में रेल लाइन केवल यात्रा नहीं, समृद्धि भी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भारत के उत्तर-पूर्व में स्थित मिजोरम की राजधानी आइजोल रेल नेटवर्क से जुड़ने का जश्न मना रहा है। बइरबी-सायरंग रेल लाइन बिछा दी गई है, जो इस ऐतिहासिक बदलाव की गवाह बनेगी। यह लाइन असम-मिजोरम सीमा के पास स्थित बइरबी से शुरू होकर, राजधानी आइजोल से मात्र 18 कि.मी.दूर बसे छोटे नगर सायरंग तक पहुँचती है।

51.38 कि.मी.लंबी यह नई रेल लाइन घने बाँस के जंगलों, गहरी घाटियों और खड़ी पहाड़ियों से गुजरते हुए लुशाई (मिजो) पर्वतों से होकर निकलती है। 45 सुरंगों और 55 मुख्य ब्रिजों वाली इस रेल लाइन पर देश का दूसरा सबसे ऊँचा पियर ब्रिज बना है, जिसकी ऊँचाई 114 मीटर है, यानी कुतुब मीनार से भी अधिक ऊँचा। इसके साथ ही, शांत और सौम्य हवाओं वाली भूमि मिजोरम की राजधानी आइजोल अब राष्ट्रीय रेल ग्रिड से जुड़ गई है। प्रोजेक्ट को पूरा करना आसान नहीं था। दुर्गम स्थलाकृति, भूस्खलन और कठिन मॉनसून जैसी परिस्थितियों ने रेलवे की सर्वश्रेष्ठ इंजीनियरिंग क्षमता की परीक्षा ली।

नई रेल लाइन मिजोरम के लोगों के जीवन को बदलने जा रही है। अब तक पहाड़ी भू-भाग के कारण आवागमन धीमा और कठिन था, जिससे यहाँ वस्तुएँ महँगी मिलती थीं और यात्राएँ लंबा समय लेती थीं। 51.38 कि.मी. लंबी इस लाइन के पूरा होने से कोलासिब जिले से आइजोल जिले तक की यात्रा का समय आधे से भी कम हो जाएगा। इसका अर्थ है कि सस्ती दरों पर आवश्यक वस्तुओं तक पहुँच आसान होगी, रोजगार और व्यापार के नए अवसर खुलेंगे। यह रेल लाइन उद्यमियों के लिए बड़े बाजारों तक पहुँच के नए रास्ते खोलेगी। आइजोल के लोग अब देश के प्रमुख शहरों तक सुगमता पूर्वक पहुंच सकेंगे। एवं त्योहारों पर उन्हें अपने घर आने-जाने में सुगमता होगी।

प्रकृति और संस्कृति का कॉरिडोर : यह रेल लाइन केवल परिवहन का साधन नहीं है, बल्कि मिजोरम में विकास और संपर्क के नए दौर का नया अध्याय है। व्यापार और उद्योग के लिए भी यह रेल लाइन मददगार साबित होगी। यहाँ की हरियाली, घाटियाँ और पहाड़ियां दुनिया भर के सैलानियों को आकर्षित करेंगी। यहाँ की प्राकृतिक समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, आत्मीय आतिथ्य और जीवंत परंपराओं से जुड़ने का अवसर सैलानियों को मिलेगा।

मिजोरम की खूबसूरती इसके प्राकृतिक दृश्यों में निहित है- घने जंगल, लहरदार पहाड़, मनमोहक घाटियाँ और स्वच्छ जलधाराएँ व झरने। यही कारण है कि इसे लैंड ऑफ द हाईलैंडर्स और लैंड ऑफ द ब्लू माउंटेन्स कहा जाता है। यह राज्य एक इकोलॉजिकल हॉटस्पॉट है, जहाँ अनोखी वनस्पतियाँ और जीव पाए जाते हैं। यहाँ की आदिवासी संस्कृति अपने संगीत, नृत्य और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है। साथ ही, मिजोरम अब एडवेंचर पर्यटन का उभरता हुआ गंतव्य भी बन रहा है। अगस्त 2025 में मिजोरम सरकार और इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) के बीच इस रेल संपर्क के पर्यटन-संभावनाओं को साकार करने के लिए दो वर्ष का समझौता हुआ। इसमें पर्यटन पैकेजों को राज्य की पर्यटन अवसंरचना से जोड़ने पर बल दिया गया है। आईआरसीटीसी ने 'डिस्कवर नॉर्थ ईस्ट बियोंड गुवाहाटी' पहल के तहत विशेष पर्यटक ट्रेनों का संचालन करने की योजना बनाई है, ताकि किफायती, सतत और पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन मॉडल विकसित किया जा सके।

जियो स्ट्रेटजिक ब्रिज : मिजोरम राज्य बांग्लादेश और म्यांमार, दोनों की सीमाओं को साझा करता है। यही कारण है कि यह भारत की लुक ईस्ट पॉलिसी और नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी का केंद्र बिंदु है। रेल संपर्क का अर्थ है कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय, दोनों तरह का व्यापार तेसे बढ़ेगा। नियोजित रेल और सड़क नेटवर्क का विस्तार मिजोरम को भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच एक प्रमुख परिवहन केंद्र बना सकता है। यह विशेष रूप से वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य में महत्त्वपूर्ण है।

परिवर्तन की लहर : आर्थिक और लॉजिस्टिक दृष्टि से हटकर देखें, तो आइजोल में रेल लाइन एक भावनात्मक जुड़ाव की उपलब्धि भी है। मिजोरम के लोगों के लिए यह इस बात की पुष्टि है कि वे देश का अहम हिस्सा हैं और भारत की आकांक्षाओं के केंद्र में हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उद्घाटन की जाने वाली इस नई रेल कनेक्टिविटी के साथ, मिजोरम केवल एक रेलवे परियोजना के पूर्ण होने का अवसर ही नहीं, बल्कि एक लंबे समय से संजोए गए सपने के साकार होने का उत्सव मना रहा है। यह इस सच्चाई का प्रमाण है कि कोई भी भू-भाग इतना कठिन नहीं है और कोई भी लक्ष्य इतना बड़ा नहीं है कि समर्पण और दृढ़संकल्प के साथ हासिल न किया जा सके।

ऑनलाइन खरीदारी का किया विरोध

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। व्यापारी एकता समिति उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष विजय गुप्ता के नेतृत्व में बुधवार को व्यापारियों ने मीरापुर में जागरूकता बैठक की। इस दौरान ऑनलाइन खरीदारी का विरोध किया।

व्यापारियों से अपने परिजनों से ऑनलाइन खरीदारी न करने की अपील की। शासन से ऑनलाइन व्यापार पर अतिरिक्त कर लगाने की मांग की। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री प्रमिल केसरवानी ने कहा कि क्षेत्र के दुकानदारों से रात अथवा आपात स्थिति में सहयोग भी मिलता है, जबकि ऑनलाइन खरीदारी में ऐसी भावना नहीं होती। बैठक में रामप्रसाद यादव, बृजेश निषाद, प्रमोद गुप्ता, अतुल खन्ना, सुधीर गुप्ता, मनीष गुप्ता आदि शामिल रहे।

आरेडिका में रेलवे संपत्ति के दुरुपयोग करने पर कार्यवाही

मंत्र भारत संवाददाता

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली के फोर्ज्ड व्हील प्लांट के प्रशासनिक भवन एरिया में लगे चार्जिंग पॉइन्ट पर दिनांक- 07.09.2025 को समय 6:30 बजे बिना प्रशासनिक अनुमति के ड्राइवर राहुल शुक्ला पुत्र शिव गोविन्द शुक्ला उम्र-43 वर्ष निवासी इटौरा बुजुर्ग, थाना गुरुबक्श गंज, जिला रायबरेली को कार संख्या-ऊइ 32 ऊ- 4736 को चार्ज करते हुए आरपीएफ आरेडिका द्वारा पकड़ा गया था।

आरेडिका रेलवे सुरक्षा बल के प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार ने बताया कि राहुल शुक्ला पुत्र शिव गोविन्द शुक्ला के खिलाफ रेलवे संपत्ति के दुरुपयोग में रेलवे एक्ट के तहत मुकदमा अपराध संख्या 29/25 सेक्शन- 147, मुकदमा दर्ज किया गया है। आगे की कार्यवाही जारी है। इसके साथ ही आरेडिका का ट्रान्सपोर्ट विभाग संबंधित कॉन्ट्रेक्टर पर उचित कार्यवाही कर रहा है। इससे पूर्व भी एक गाड़ी इसी तरह चार्ज करते हुए पकडी गयी थी जिस पर कोर्ट द्वारा आर्थिक जुर्माना लगाया गया था, तथा विभागीय कार्यवाही भी की गयी थी। आरेडिका प्रशासन किसी भी प्रकार की रेलवे संपत्ति के दुरुपयोग को रोकने के लिए हमेशा तत्पर है तथा जो भी इस तरह की गतिविधियों में शामिल होगा उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

रेलगांव कॉलोनी में 100 पौधे लगाए

प्रयागराज। एनसीआर के जीएम नरेश पाल सिंह और प्रमुख मुख्य यांत्रिक इंजीनियर सुनील कुमार भारती के नेतृत्व में बुधवार को रेलगांव कॉलोनी सूबेदारगंज में पौधरोपण किया गया। नींबू, आंवला, अमरूद, नीम, गुड़हल, हरश्रृंगार, करौंदा आदि के लगभग 100 पौधे लगाए गए। इस पौधारोपण कार्यक्रम में मुख्य पर्यावरण प्रबंधक शिवकुमार के साथ अन्य अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए।

रेलवे पुलिस ने सुरक्षा और संरक्षा का पाठ पढ़ाया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। महावीर पब्लिक स्कूल में बुधवार को रेलवे पुलिस ने छात्र-छात्राओं को रेलवे के नियमों का पाठ पढ़ाया। उप निरीक्षक काशीनाथ मिश्रा ने बताया कि रेलवे लाइन पार करना, ट्रेनों पर पत्थरबाजी तथा रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाना दंडनीय अपराध है। उन्होंने अपील कि की ऐसी गलतियों से बचना चाहिए और समाज के अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करना चाहिए। समन्वयक बृजेश श्रीमुख ने भी जानकारी दी।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या-230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई-टेण्डर/2025/579 दिनांकः 08.09.2025

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/30म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं0ः 230-क0वि0-कार्य ठेका-970-2025

कार्य का विवरणः प्रयागराज मंडल के झींझक (JJK) - कानपुर (CNB) खंड के रोशन-मऊ हॉल्ट (RMW) स्टेशन पर 3.10 मीटर चौड़े एफओबी (रैम्प के साथ) के प्रावधान के कारण 25 केवी ओएचई में संशोधन का कार्य तथा चुनार (CAR) - चोपन (CPU) सेक्शन में लुसा (LUS) - खैराही (KHRY) के बीच स्थित लेवल क्रॉसिंग गेट संख्या 23 एवं 24 के इंटरलॉकिंग के कारण 25 केवी ओएचई में संशोधन का कार्य।

अनुमानित लागतः रु. 50,75,420.10	बिड सुरक्षा राशिः रु. 1,01,500.00
कार्य अवधिः 12 महीना	बोली प्रणालीः एक पैकेट

निविदा बन्द होने की तिथि तथा समयः 30.09.2025, 14:00 बजे

निविदा खुलने की तिथि तथा समयः 30.09.2025,15:00 बजे

नोटः- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1629/25 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

'संकल्प : हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन योजना' के अन्तर्गत स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। निदेशक महिला कल्याण उ0प्र0 लखनऊ के आदेश के क्रम में जनपद भदोही में शत्रुघ्न कन्नौजिया जिला प्रोबेशन अधिकारी के आदेशानुसार 'संकल्पः हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन योजना' के अन्तर्गत जिला पंचायत बालिका इण्टर कालेज, गोपीगंज में महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता थीम पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ममता सिंह मिशन कोआर्डिनेटर ने बालिकाओं को नियमित रूप से व्यायाम करने, संतुलित और पौष्टिक आहार लेने, पर्याप्त नींद लेना तथा स्वच्छता का ध्यान देने के लिए प्रेरित किया गया। प्रियंका गुप्ता जेण्डर स्पेसलिस्ट ने महिला कल्याण विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, उ0प्र0 मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (कोविड व सामान्य), पति की मृत्युपरान्त निराश्रित महिला पेंशन, स्पॉन्सरशिप योजना, वन स्टॉप सेन्टर, 1098 चाइल्ड हेल्पलाईन एवं टोलफ्री नं0-181 के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में रेशमा भारती, प्रियंका गुप्ता जेण्डर स्पेसलिस्ट, आनन्द कुमार मौर्या, सत्येन्द्र पाण्डेय, दिनेश तथा काफी संख्या में छात्रायें उपस्थित रहीं।

मंडलायुक्त ने स्ट्रीट लाइटों के अनुरक्षण एवं उनकी क्रियाशीलता के सम्बंध में की बैठक

स्ट्रीट लाइटों की क्रियाशीलता को सुनिश्चित बनाये रखने के दिए निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में बुधवार को आयुक्त कार्यालय स्थित कैम्प कार्यालय में महाकुम्भ-2025 के स्वीकृत बजट से लगायी गयी स्ट्रीट लाइटों के अनुरक्षण एवं उनकी क्रियाशीलता के सम्बंध में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में प्रयागराज विकास प्राधिकरण, नगर निगम, लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग के द्वारा लगायी गयी स्ट्रीट लाइटों की क्रियाशीलता के बारे में विभागवार समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने सभी स्ट्रीट लाइटों की क्रियाशीलता को सुनिश्चित बनाये रखने के निर्देश सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को दिए है। नगर निगम के द्वारा लगायी गयी स्ट्रीट लाइटों में से जागृति चौराहा से एरावत चौराहा तक 26 लाइटों के बंद पाये जाने पर मण्डलायुक्त ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी लाइटों को क्रियाशील किए जाने का निर्देश दिया है। मण्डलायुक्त ने अधिशासी अभियंता नगर निगम को रजिस्टर बनाने एवं उसमें प्रतिदिन स्ट्रीट लाइटों की क्रियाशीलता की स्थिति की रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश दिए है। कहा कि प्रतिदिन उल्लिखित किया जाये कि कितनी लाइटे बंद थी और उन बंद लाइटों को कितने समय में ठीक कराया गया। पीडब्लूडी विभाग के द्वारा लगायी गयी स्ट्रीट लाइटों में से ध्यानचंद्र चौराहा एवं नंदी चौराहे के पास 37 लाइटों के नियमित रूप से न जलने के कारणों के बारे में पूछे जाने पर बताया गया कि उक्त स्ट्रीट

लाइटों का ग्रामीण क्षेत्र की लाइट से कनेक्शन होने के कारण उसकी नियमित क्रियाशीलता में व्यवधान हो रहा है। मण्डलायुक्त ने इस सम्बंध में विद्युत विभाग को स्ट्रीट लाइटों के लिए विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था किए जाने के सम्बंध में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। उत्तर प्रदेश पॉवर कारपोरेशन के द्वारा परेड ग्राउंड में लगायी गयी स्ट्रीट लाइटों में से 179 स्ट्रीट लाइटे क्रियाशील नहीं पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए मण्डलायुक्त ने सम्बंधित वेण्डर को नोटिस जारी करने एवं स्ट्रीट लाइटों को क्रियाशील किए जाने के निर्देश दिए है। मण्डलायुक्त ने पीडीए के द्वारा लगायी गयी स्ट्रीट लाइटों से सम्बंधित कुल 33 कार्यों के बारे में जानकारी ली, जिसपर बताया गया कि उक्त कार्यों का नगर निगम को हैंडओवर होना है। मण्डलायुक्त ने प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं नगर आयुक्त को संयुक्त टीम बनाकर समस्या/कमियों का निस्तारण कर नियमानुसार हैंडओवर की कार्यवाही की प्रक्रिया को सुनिश्चित करने के लिए कहा है।

बैठक के अंत में मण्डलायुक्त ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को सभी स्ट्रीट लाइटों की क्रियाशीलता को सुनिश्चित बनाये रखने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि उनके द्वारा समय-समय पर इसका निरीक्षण भी किया जायेगा और यदि स्ट्रीट लाइटें खराब या बंद पायी गयी, तो सम्बंधित के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। इस अवसर पर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, प्रयागराज विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अमित पाल शर्मा, नगर आयुक्त सांई तेजा, सचिव, प्रयागराज विकास प्राधिकरण अजीत सिंह, प्रयागराज मेला प्राधिकरण से उपजिलाधिकारी विवेक शुक्ला सहित अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

तिरंगा फाड़ने की निन्दा, दोषी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्यवाई हो

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भारत भाग्य विधाता कोर ग्रुप की बैठक आज न्यायमूर्ति सुधीर नारायण की अध्यक्षता में हुई। बैठक में एक प्रस्ताव पास करके शहीदवॉल पर स्मार्ट जोन में लगे तिरंगे राष्ट्र ध्वज के चित्र को फाड़ने की घोर निन्दा की गयी। साथ ही पुलिस से दोषी लोगों के खिलाफ राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह के अपमान का मुकदमा दर्ज किये जाने की मांग की गयी।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि यह गलत परम्परा होगी। जब राष्ट्र के प्रतीक चिन्ह तिरंगे को फाड़ दिया जाय और हम चुपचाप बैठे रहे। तिरंगे का अपमान नही सहेगा हिन्दुस्तान ।

वक्ताओं ने कहा कि शहीदवॉल पर राष्ट प्रथम की सोच रखकर कार्य होता है। किन्तु कुछ स्वार्थी और जातिवादी ताकतें पिछले कुछ दिनों से अपना हित साधने के लिए देश और शहीदों का अपमान कर रहे हैं। इसी कड़ी में कल 9 अगस्त को उन्होने स्मार्ट जोन में लगे तिरंगे झण्डे के चित्र को सार्वजनिक रूप से फाड़ कर उसका अपमान किया है। ऐसी दशा में जांच कर दोषी लोगों के खिलाफ कायवाई होनी चाहिए जिनके मन में राष्ठ के प्रतीक चिन्ह तिरंगे के प्रति सम्मान न हो।

बैठक में निन्दा प्रस्ताव वीरेन्द्र पाठक संस्थापक शहीदवॉल ने रखा। संचालन डा प्रमोद शुक्ल ने किया तथा आशुतोष सण्ड पूर्व जीए सहित डा श्रवण कुमार मिश्र, सुनीता मिश्र जगत नारायण तिवारी प्रमुख रूप से निन्दा करते हुए दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

अतिथि स्वागत को लेकर कार्यकर्ताओं में हर्ष व अतिउत्साह, अतिथि देवो भवः - रेशमा श्रीवास्तव

प्रयागराज/जौनपुर। वन एवं पर्यावरण समिति सदस्य जौनपुर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नामित श्रीमती रेशमा श्रीवास्तव ने पत्रकारवार्ता में बड़े ही हर्ष से कहा कि देश के लोकप्रिय वाराणसी के सांसद माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश का विकास, सुरक्षा, रोजगार, शिक्षा, चिकित्सा एवं मजबूत वैश्विक व्यवस्था को लेकर जो भी कार्य किए जा रहे हैं हम सभी जनमानस उनके हृदय से आभारी हैं ।

आज माननीय प्रधानमंत्री के वाराणसी दौरे पर मॉरीशस के माननीय प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम अतिथि के रूप में हमारे जनपद में आ रहे हैं जिसे लेकर हम सभी कार्यकर्ता हर्षित व अतिउत्साहित हैं । आगे रेशमा ने कहा कि अतिथि का आगमन हम अपने संस्कृति के उस परमपावन श्लोक को चरित्रार्थ करते हैं अतिथि देवो भवः जो विश्व में आज भी प्रासंगिक है ।

पत्रकारवार्ता में मुख्य रूप से आयुष अस्थाना नगर अध्यक्ष युवा मोर्चा, ललित श्रीवास्तव, शुभम अस्थाना, अमित श्रीवास्तव नगर अध्यक्ष भाजपा, प्रिंस मौर्या, शौर्य प्रताप सिंह, अर्चना श्रीवास्तव, सुमन अस्थाना, विमला श्रीवास्तव, तूलिका श्रीवास्तव, आँचल मौर्या, अमन अस्थाना, अदिति श्रीवास्तव, अक्षिता श्रीवास्तव, कार्तिकेय श्रीवास्तव, अदिति वर्मा आदि कार्यकर्तागण उपस्थित रहे ।

तीर्थयात्रियों से भरी बस से दबकर दो युवकों की मौत, चक्काजाम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। आंधी लक्षन चौकठा गांव के समीप बुधवार को सुबह तीर्थयात्रियों से भरी बस की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई। बस में फंसी बाइक लगभग सौ मीटर तक घिसटती चली गई। ग्रामीणों ने दौड़ाकर बस चालक को पकड़ा। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रयागराज-मिर्जापुर राजमार्ग पर चक्काजाम कर दिया। लगभग दो घंटे तक आवागमन ठप रहा। पुलिस ने किसी तरह समझाकर यातायात बहाल कराया। पुलिस बस चालक को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई में जुटी है। महिगड़ा गांव निवासी 37 वर्षीय अमर सिंह पटेल अपने साथी 35 वर्षीय उमाकांत पटेल के साथ बाइक से लौट रहे थे।

आंधी गांव के समीप प्रयागराज-मिर्जापुर राजमार्ग किनारे सुबह लगभग पौने नौ बजे बाइक खड़ी कर दोनों बात कर रहे थे। इसी दौरान मिर्जापुर की ओर से तेज रफ्तार से आ रही टूरिस्ट बस दोनों युवकों को कुचल दिया। ग्रामीणों ने शोर मचाते हुए बस चालक को पकड़ लिया। घटना की जानकारी होते ही मृतकों के परिजन भी रोते-बिलखते पहुंच गए। ग्रामीणों के चक्काजाम से लगभग दो घंटे तक मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। घटनास्थल पर एसडीएम मेजा सुरेंद्र प्रताप यादव व एसीपी संत प्रसाद उपाध्याय ने उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन और मृत अमर के भाई दिवाकर सिंह पटेल की तहरीर पर मांडा थाने में बस चालक के खिलाफ दर्ज एफआईआर की प्रति प्रदान कर चक्काजाम समाप्त कराया।

झाड़-फूंक के बहाने महिला से दुष्कर्म, केस दर्ज

प्रयागराज। सरायइनायत थाना क्षेत्र की एक महिला के साथ झाड़-फूंक के बहाने उसके रिश्तेदार ने दुष्कर्म किया। अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करता रहा। महिला के विरोध करने पर वीडियो वायरल कर दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने बुधवार को मुकदमा दर्ज किया। पीड़िता की ओर से पुलिस को दी गई तहरीर के मुताबिक, प्रतापगढ़ का उसका एक रिश्तेदार प्रेत बाधा से निजात दिलाने के लिए एक ओझा को लेकर घर आया था। उस दिन तो वह चला गया, लेकिन एक हफ्ते बाद वह पुनः घर पर अकेले आया। रात में भभूत के नाम पर उसे नशीला पदार्थ खिला दिया। अचेत होने पर उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील फोटो खींचने के साथ वीडियो बना लिया। अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर वह उसके साथ मनमानी करता। महिला ने जब विरोध किया तो उसने वीडियो को वायरल कर दिया। पुलिस ने प्रतापगढ़, फतनपुर थाना के कनिया गांव निवासी राम अवध बिंद के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

यूरिया वितरण में मची अफरातफरी, मायूस हो लौटे किसान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। विकास खंड उरुवा के रामनगर साधन सहकारी समिति में बुधवार को यूरिया खाद का वितरण किया गया। खाद वितरण शुरू होने से पहले ही किसानों की भारी भीड़ उमड़ गई। स्थिति को संभालने के लिए समिति सचिव जय कुमार तिवारी ने रामनगर चौकी प्रभारी अभिनव उपाध्याय से मदद मांगी। चौकी प्रभारी ने तुरंत दो सिपाहियों को भेजकर किसानों को लाइन में लगवाया और शाम तक वितरण कराया। शाम तक करीब 4 सौ बोरी खाद का वितरण हुआ। किसानों ने बताया कि आधार और खतौनी दिखाने पर ही एक या दो बोरी खाद दी गई। जिन किसानों के नाम पर खतौनी नहीं थी, उन्हें खाद नहीं मिल पाई।

वहीं जिनके पास अधिक भूमि थी, सीमित स्टॉक और सख्त नियम के चलते उन्हें भी केवल दो बोरी खाद से ही संतोष करना पड़ा। कई किसान खाद के बिना ही लौटने को मजबूर हुए, क्योंकि उनकी जमीन उनके नाम पर नहीं थी और वे बटाई पर खेती कर रहे थे। मायूस किसानों का कहना है कि अब उन्हें प्राइवेट दुकानों से ही खाद लेनी पड़ेगी, जहां दुकानदार मनमानी कीमत वसूलते हैं और खाद के साथ जिंक या सल्फर का पैकेट भी थमा देते हैं। जिससे किसानों की जेब ढीली हो रही है और दुकानदारों की चांदी कट रही है।

घर में घुसकर पीटा, मुकदमा दर्ज

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम रोझियात निवासी देवकी देवी पत्नी जगरूप भारतीय का आरोप है कि पड़ोसी मामूली कहासुनी पर शराब पीकर घर में घुस आए। लाठियों से मारे पीटे और जान से मारने की धमकी दिए। देवकी देवी ने मऊआइमा थाने में सांवरी देवी और विनोद कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

महाराजा से कैसे संन्यासी बने भर्तृहरि नाटक में जीवन वृतांत का सजीव मंचन

महाराजा भर्तहरि' की प्रस्तुति, तालियों से गूंजा सभागार'

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय नौटंकी समारोह के तीसरे दिन विजय बहादुर श्रीवास्तव द्वारा निर्देशित नौटंकी महाराजा भर्तहरि का मंचन बुधवार को सांस्कृतिक केंद्र प्रेक्षागृह में हुआ। दर्शकों के तालियों के बीच नौटंकी शुरु होती है, जिसे देखने देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। भर्तृहरि नाटक के दृश्य को देखकर लोग भाव विभोर हुए, तो कई बार हंस-हंस कर लोटपोट भी हुए। नाटक में दिखाया गया है कि वेश्या चम्पा का देशभक्ति तथा निःस्वार्थ प्रेम देखकर किस तरह राजा का हृदय परिवर्तित हो जाता है। चम्पा को कोई इज़्ज़त नहीं देता, पर उसके मन में देश, राजा और जनता के लिए असीम प्रेम है। अपने प्रेमी से

मिला अमरफल वह राजा भरथरी तक पहुँचाती है ताकि राजा अमर रहे, राज चलता रहे और जनता सुख-शांति में रहे। जब राजा उस फल को देखता है तो हैरान रह जाता है। उसे समझ आता है कि रानी पिंगला का प्यार असली नहीं, सिर्फ दिखावा है और दरोगा समर सिंह की चालें सिर्फ स्वार्थ से भरी हैं। वहीं चम्पा जैसी तिरस्कृत औरत का दिल कितना साफ और निःस्वार्थ है। इससे राजा का मन बदलता है, वह अपने भाई विक्रम के पास लौटता है। पछताकर राजपाट छोड़ देता है और बाबा गोरखनाथ की शरण में चला जाता है। राजा हार नहीं मानता है, तप करके महान बनता है। उसका भाई विक्रम भी साधना में श्रेष्ठ बनता है। राजा अपने अनुभवों को संस्कृत श्लोकों में लिखता है और बताता है कि जीवन का असली उद्देश्य कल्याण, सेवा और देशहित है। इसके साथ ही नाटक का समापन हो गया। हारमोनियम पर गरीब चन्द्र, नक्कारा पर राजाराम, ढोलक पर अरविंद और मंजीरा पर प्रेमचंद्र ने साथ दिया। सभी कलाकारों ने अपने उम्दा अभिनय से दर्शकों से खूब तालियां बटोरी। केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा ने सभी कलाकारों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर केंद्र के समस्त अधिकारी, कर्मचारी सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संजय पुरषार्थी ने किया।

स्मृति शेष सिंगारी देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।श्रीराम कथा में बताया मातृ शक्ति की महत्ता

मंत्र भारत संवाददाता

फूलपुर। क्षेत्र के मलिकपुर नोनरा गांव में श्रीराम कथा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शंकराचार्य पं. मदन मोहन मिश्र ने मातृ शक्ति की महत्ता को विधिवत समझाया। सरस श्रीराम कथा सुनने के लिए बड़ी संख्या में भक्तजनों ने कथा का रसपान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार राघवेन्द्र दुबे भाऊ ने स्मृति शेष सिंगारी देवी को याद किया। इफको आल इंडिया अधिकारी संघ के पूर्व अध्यक्ष जितेन्द्र तिवारी ने कहा कि मातृ शक्ति के ज्ञान को जीवन में सादगी, प्रेम और सेवाभाव की मिसाल है। उन्होंने निःस्वार्थ भाव से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए परिवार को एकजुट रखा। वे जीवन भर अपने आस-पास के सभी लोगों को अपने अपनत्व में बांधे रहीं । कार्यक्रम का संचालन इंदु शेखर ने किया। इस अवसर पर उत्पल राय, सुरेन्द्र तिवारी , अनुराग तिवारी, संजय पांडेय, आर के पाठक, मनोज त्रिपाठी, यसपी सिंह, जे पी मिश्र सहित सैकड़ों लोगों ने स्मृति शेष सिंगारी देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

गेट वेल नाउ सेंटर ऑफ प्राणिक हीलिंग द्वारा योग विद्या प्राणिक हीलिंग फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा कार्यशाला आयोजित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। 'उच्च आत्मा के साथ एकता प्राप्त करना' प्राणिक हीलिंग कार्यशाला का आयोजन प्रयागराज के गेट वेल नाउ सेंटर ऑफ प्राणिक हीलिंग द्वारा योग विद्या प्राणिक हीलिंग फाउंडेशन ट्रस्ट वाराणसी के सहयोग से हाल ही में किया गया। इस जानकारी को साझा करते हुए प्रसिद्ध प्राणिक हीलिंग प्रशिक्षक श्रीमती राखी गुप्ता, प्रयागराज केंद्र की मुख्य समन्वयक ने कहा कि इस कार्यशाला में तीस प्रतिभागियो ने भाग लिया जिसमें कोलकाता से आए प्रसिद्ध प्रशिक्षक नेहा जैन मुख्य वक्ता थीं। इस अवसर पर श्रीमती जैन ने कहा कि उच्च आत्मा ईश्वर की दिव्यता का बीज है जो हम सभी में मौजूद है। उच्च आत्मा के माध्यम से, हम ईश्वर के स्वरूप में बने हैं! हमारी उच्च आत्मा के साथ एकता को प्राप्त करके, हम 'मैं हूँ', क्राइस्ट, बुद्ध, शिव, कृष्ण की प्रकृति के साथ एक हो जाते हैं, जो हम सभी में है। उन्होंने कहा कि उच्च आत्मा के साथ एकता प्राप्त करने का पाठ्यक्रम हमें अपने असली स्व, हमारी उच्च आत्मा और दिव्यता की सच्ची प्रकृति भी सिखाता है। हमारे भीतर, और उनके साथ एकजुट होने का तरीका।

इस पाठ्यक्रम में कई गूढ़ रहस्य पहली बार उजागर होते हैं। इस घटना को 'आत्म-प्राप्ति', 'प्रबोधन' या 'स्वयं-प्राप्ति' के रूप में जाना जाता है। आत्म-प्राप्ति के विभिन्न चरणों की विस्तृत जानकारी साझा करना। आत्म-प्राप्ति का पहला चरण इस बौद्धिक समझ के साथ शुरू होता है कि आप आत्मा हैं, दिव्य बुद्धि, प्रेम और शक्ति का आध्यात्मिक प्राणी। आप शारीरिक शरीर नहीं हैं, न ही विचार हैं और न ही भावनाएँ और न ही मन। आत्म-प्राप्ति का दूसरा चरण ध्यान के दौरान आत्मा के रूप में अपने आप का अनुभव करना है। योगी या ध्यान करने वाला यह अनुभव कर सकता है कि वह शारीरिक शरीर को महसूस नहीं कर पा रहा है, जैसे वह गायब हो गया हो। आत्म-प्राप्ति का तीसरा चरण अवतारी आत्मा (जो आप हैं) का उच्च आत्मा के साथ मिलन का अनुभव है और यह महसूस करना कि आपकी और आपकी उच्च आत्मा के बीच कोई अलगाव नहीं है।

कार्यशाला की समन्वयक श्रीमती राखी गुप्ता ने प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस पाठ्यक्रम में किसी को दिव्य स्पार्क या परमात्मा के साथ एकता का अनुभव हो सकता है। इसे भगवान-ज्ञान कहा जाता है। अवतरित और उच्च आत्माएँ दिव्य स्पार्क के साथ,

भगवान के साथ, और सभी के साथ एकता का अनुभव करती हैं। योगी सच में यह कह सकता है, 'मैं और मेरा पिता एक हैं!' वह वास्तव में एक दिव्य अवतार है। उच्च आत्मा की एकता हासिल करने के कोर्स में, आध्यात्मिक साधक दो शक्तिशाली ध्यान सीखेंगे, शांति और ज्ञान के लिए ट्विन हृदय ध्यान और उच्च आत्मा के ऊपर ध्यान। और जब इन दोनों ध्यानों को मिलाया जाएगा, तो आध्यात्मिक साधक दिव्य आनंद, प्रेम और प्रकाश का अनुभव करेगा और यह कुछ वर्षों में तेसे आध्यात्मिक विकास की ओर ले जाएगा, न कि कई जन्मों में। उच्च आत्मा के साथ एकता को हासिल करने के कोर्स में कवर किए गए कुछ विषय हैं जैसे मैं कौन हूँ। मैं कहाँ से आया हूँ? मेरी आत्मा मेरे शरीर में कहाँ स्थित है? मेरे मरने पर मेरी आत्मा कहाँ जाएगी। मैं क्यों जन्मा हूँ और मेरे जीवन का उद्देश्य क्या है? 12वें चक्र का सटीक स्थान और इसके ऊंचे आत्मा के साथ एकता प्राप्त करने के पाठ्यक्रम में कवर किए गए कुछ विषय जैसे कि मैं कौन हूँ। मैं कहाँ से आया हूँ? मेरी आत्मा मेरे शरीर में कहाँ स्थित है? मेरी आत्मा मृत्यु के बाद कहाँ जाएगी? मैं क्यों जन्म लेता हूँ और मेरे जीवन का उद्देश्य क्या है? 12वें चक्र का सटीक स्थान और इसका कार्य प्रकट किया जाएगा। 3 चांदी की रस्सियों, आंतरिक कैंड्यूसे और यह कैसे कुंडलिनी शक्ति को सुरक्षित रूप से जगाने से संबंधित है, इसके पीछे के रहस्यों को भी प्रकट किया जाएगा, उन्होंने जोड़ा। आशीष सिंह, प्रतिष्ठा सहाय, कुसुम जायसवाल, अनुभव दत्ता और अन्य ने कार्यशाला को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रेलवे ट्रैक पर बुजुर्ग का शव मिलने पर सनसनी

प्रयागराज। क्षेत्र के तुलापुर यूसुफपुर गांव के समीप रेलवे लाइन पर मंगलवार रात ट्रेन से कटकर एक बुजुर्ग की दर्दनाक मौत हो गई। सुबह गांव के लोगों ने देखा तो घटना की सूचना सोरांव पुलिस को दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त कराने का प्रयास किया परन्तु पहचान नहीं हो पाई। घटना को लेकर इलाके में सनसनी फैल गई। सोरांव थाना क्षेत्र के यूसुफपुर मजरा तुलापुर गांव के समीप रेलवे ट्रैक पर 60 वर्षीय बुजुर्ग का शव गांव के लोगों ने देखते ही पुलिस को सूचना दिया। प्रभारी निरीक्षक केशव वर्मा ने बताया कि बुजुर्ग के शरीर पर खून जमा हुआ था, जिससे कयास लगाया जा रहा है कि घटना मंगलवार रात की हो सकती है।

ट्रेन से युवती का बैग छीन भागा बदमाश

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। एनसीआर की सबसे वीआईपी ट्रेन प्रयागराज एक्सप्रेस में एक महिला यात्री का बैग छीनकर युवक भाग निकला। देवघाट, झलवा निवासी स्मृति यादव ने प्रयागराज जीआरपी थाने में लूट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस को बताया कि उसका स्लीपर बोगी में आरक्षित टिकट था। सात सितंबर को जैसे ही ट्रेन नई दिल्ली से चली अचानक से एक युवक पहुंचा और उसका बैग छीनकर भाग निकला। बैग में मोबाइल समेत अन्य कीमती सामान था। पुलिस का कहना है कि घटना स्थल के आधार पर विवेचना नई दिल्ली ट्रांसफर कर दी गई है। हैरानी की बात ये है कि सबसे वीआईपी ट्रेन में जीआरपी की स्कॉट चलती है। बावजूद इसके इस ट्रेन में छिनैती की घटना हुई है।

सम्पादकीय

नेपाल में आग, आक्रोश और इस्तीफा, जेनँ ने सत्ता को दिया सबसे बड़ा चैलेंज

भारत के पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश के बाद अब नेपाल में युवाओं का आक्रोश सड़कों पर दिखाई दे रहा है। आगजनी, तोड़फोड़ और हिंसा में कई लोगों की जान चली गई है। सरकारी संपत्तियों को भी बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा है। सरकार की ओर से सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने से सुलगी विरोध की इस चिंगारी से संसद तथा प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के आवास भी अछूते नहीं रहे। प्रदर्शनकारियों की भीड़ को नियंत्रित करना सुरक्षा बलों के लिए इस समय बड़ी चुनौती है। हालात इस कदर बेकाबू हो गए कि प्रधानमंत्री को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा है। इससे पहले सरकार के कुछ मंत्री भी अपना पद छोड़ चुके हैं।

सवाल यह है कि आखिर देश का युवा वर्ग इतना ज्यादा आक्रामक कैसे हो गया? शासन और स्थानीय प्रशासन युवाओं के गुस्से को समय रहते शांत करने में क्यों नाकाम रहा? क्या सरकार को इस बात का इल्म नहीं था कि हालात इस कदर बिगड़ सकते हैं या फिर इसका पूर्व आकलन करने में कहीं कोई चूक हुई है? दरअसल, नेपाल सरकार ने पिछले हफ्ते सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया था। सरकार का तर्क था कि देश में सोशल मीडिया मंचों से संबंधित कंपनियां पंजीकरण कराने की अनिवार्यता का पालन करने में विफल रही हैं। इसके बाद बड़ी संख्या में युवा सड़कों पर उतर आए और सरकार के इस फैसले का विरोध करने लगे।

सोमवार को विरोध प्रदर्शन का दायरा व्यापक हो गया और काठमांडो में युवाओं की उग्र भीड़ ने जगह-जगह तोड़फोड़ शुरू कर दी। इस दौरान सुरक्षाबलों के साथ प्रदर्शनकारियों की हिंसक झड़पें हुईं, जिसमें कई लोगों की जान चली गई। इससे युवाओं का आक्रोश बढ़ गया और भीड़ संसद भवन परिसर में घुस गई। यहां तक कि प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के आवासों को भी निशाना बनाया गया।

हालात को देखते हुए सरकार ने सोमवार रात को ही सोशल मीडिया पर लगे प्रतिबंध को हटा लिया और मंगलवार को प्रधानमंत्री ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। मगर प्रदर्शनकारी अभी भी शांत नहीं हुए हैं और वे सरकार को बर्खास्त करने की मांग कर रहे हैं।नेपाल के इतिहास में इसे बहुत बड़ी घटना के रूप में देखा जा रहा है। इससे पहले बांग्लादेश और श्रीलंका में भी इसी तरह जन आक्रोश ने सरकारों को अपदस्थ कर दिया था। इस बात पर भी गौर करना जरूरी है कि नेपाल में विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व 'जेन जी' कर रहा है। यह युवाओं का एक ऐसा समूह है, जो पिछले कुछ समय से भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चला रहा है। इस समूह ने पिछले दिनों सोशल मीडिया के जरिए सरकार के मंत्रियों और अन्य प्रभावशाली हस्तियों के बच्चों की फिजूलखर्ची तथा उनकी जीवनशैली को लेकर गंभीर सवाल उठाए थे।

दूसरी ओर, सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के सरकार के फैसले को अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंदी के साथ-साथ भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज को दबाने के प्रयास के रूप में भी देखा जा रहा है। इसमें दोराय नहीं कि किसी भी देश में अभिव्यक्ति की आजादी हर हाल में होनी चाहिए, लेकिन क्या हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ ही इसका एकमात्र समाधान है?

बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि नेपाल की सरकार और युवा वर्ग देश एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझेंगे और माहौल का शांत कर बातचीत की राह पर लौटेंगे।

आर्कटिक का कीमती खजाना कौन करेगा दुनिया की सबसे बड़ी संपदा पर कब्जा?

प्राकृतिक संसाधनों को हथियाने की होड़ में लगी वैश्विक ताकतों की निगाहें आर्कटिक के खनिजों पर जा टिकी हैं। हालांकि यह क्षेत्र अत्यंत दुर्लभ है और यहां से धातुओं का दोहन बहुत कठिन है। आर्कटिक में ऐसी दुर्लभ खनिज संपदा है कि वे जिस देश के हाथ लग जाएगी, वह आर्थिक और सामरिक रूप में समृद्ध हो जाएगा। अभी भी आर्कटिक क्षेत्र से रूस के जरिए विश्व का चालीस फीसद पैलेडियम, 20 फीसद हीरे, 15 फीसद प्लैटिनम, 11 फीसद कोबाल्ट, दस फीसद निकल और आठ फीसद जिंक का उत्पादन होता है। इसलिए इस क्षेत्र की जरूरत आर्थिक रूप से संपन्न देशों को हो रही है। अपनी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए अमेरिका, रूस और चीन आर्कटिक पर कब्जे की होड़ में शामिल हैं।

दरअसल, इस क्षेत्र में खनिजों के दोहन की होड़ इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन के कारण आर्कटिक महासागर का जलस्तर घट रहा है। यह उत्तरी ध्रुव के चारों ओर एक वृत्त में घिरा हुआ, दुनिया का सबसे छोटा और उथला महासागर है। इसलिए ये देश आर्कटिक क्षेत्र में संसाधनों की तलाश में उत्खनन बढ़ाने में लगे हैं। जलवायु परिवर्तन के संकेत साफ दिखने लगे हैं। नए शोध बताते हैं कि आर्कटिक से हिमनद तो टूट ही रहे हैं, वायुमंडल का तापमान बढ़ने के कारण बर्फ भी तेजी से पिघल रही है। जलवायु बदलाव का बड़ा संकेत संयुक्त अरब अमीरात में भी दिख चुका है। बीते 75 वर्षों में यहां सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई। चौबीस घंटे में दस इंच से ज्यादा हुई इस बारिश ने रेगिस्तान के बड़े भू-भाग को दरिया में बदल दिया था।

आर्कटिक पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर शोध एवं अध्ययन लगातार सामने आ रहे हैं। ये

अध्ययन विशाल आकार के हिमनदों के पिघलने, टूटने, पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र के खिसकने, ध्रुवीय भालुओं के मानव आबादियों में घुसने और सील मछलियों में कमी को उजागर करते हैं। ये ऐसे प्राकृतिक संकेत हैं, जो पृथ्वी के बढ़ते तापमान का आर्कटिक पर प्रभाव बता रहे हैं। पर्यावरण विज्ञानी इस बदलाव को समुद्री जीवों, जहाजों, पेंगुइन और छोटे द्वीपों पर आबादी के लिए एक बड़े खतरे के रूप में देख रहे हैं। बीते एक दशक के भीतर ऐसी खबरें ज्यादा आई हैं। विशेष तौर से उत्तरी ध्रुव की स्थिति की जानकारी देने के लिए सजग प्रहरी के रूप में अनेक उपग्रहों की तैनाती कुछ देशों ने की है।

अमेरिका के 'नेशनल स्नो एंड साइंस डाटा सेंटर' के अध्ययन के मुताबिक, वर्ष 2014 में ही उत्तरी ध्रुव के 32.90 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में बर्फ की परत पिघली है। यह क्षेत्रफल लगभग भारत-भूमि के बराबर है। इस संस्थान के अनुसार, 1979 में उत्तरी ध्रुव पर बर्फ जितनी कठोर थी, अब उतनी नहीं रह गई है। इसके ठोस हिमतल में 40 फीसद की कमी आई है। हिमतल में एक वर्ष में इतनी बड़ी तरलता, इस बात की द्योतक है कि भविष्य में इसके पिघलने की गति और तेज हो सकती है।

उधर, साधन संपन्न देश इस जलवायु परिवर्तन को वरदान मान कर चल रहे हैं, क्योंकि यहां पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस और अन्य खनिजों के व्यापक भंडार हैं। इसीलिए अमेरिका इस क्षेत्र में रणनीतिक दृष्टि से सैन्य ताकत बढ़ा रहा है, ताकि चीन के बढ़ते प्रभाव को चुनौती दी जा सके। अमेरिकी भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, इस क्षेत्र में दुनिया के तेरह फीसद तेल और तीस फीसद गैस भंडारों के साथ अनेक दुर्लभ खनिज उपलब्ध हैं। अमेरिका इसीलिए ग्रीनलैंड में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। रूस पहले से ही इस क्षेत्र का बड़ा खिलाड़ी रहा है। उसने यहां अपनी सैन्य और आर्थिक उपस्थिति बढ़ाई है। रूस यहां सुविधाजनक स्थिति में इसलिए है, क्योंकि उसके भू-भाग का पांचवां हिस्सा आर्कटिक में है। आर्कटिक तटीय सागर की आधी से ज्यादा लंबाई रूसी क्षेत्र में आती है। रूस यहां की प्राकृतिक संपदा का दोहन कर उसका उत्तरी समुद्री मार्ग से कारोबार करने की कोशिश में जुटा हुआ है। हालांकि, अभी भी रूस की अर्थव्यवस्था में दस फीसद के बाद की भागीदारी आर्कटिक की खनिज संपदा के दोहन पर ही निर्भर है।

चीन आर्कटिक क्षेत्र का नया खिलाड़ी है। उसने इस क्षेत्र में बुनियादी संरचना और परियोजनाओं में निवेश शुरू कर दिया है। चीन दूसरे देशों के बढ़ते दखल के कारण स्वयं को अब आर्कटिक का निकटतम देश बताकर अपनी दावेदारी मजबूत करने के प्रयास में है। जबकि वह न तो इस क्षेत्र के निकट है और न ही आर्कटिक से जुड़ा उसका कोई समुद्री तट है। वह आर्कटिक परिषद का देश भी नहीं है। चीन यहां अपने परमाणु ऊर्जा चालित जहाजों को भेजने की कोशिश में है। अमेरिका के लिए चीन की यह नई चुनौती है। यहां बर्फ पिघलने को चीन अपने लिए अनुकूल स्थिति इसीलिए मान कर चल रहा है, क्योंकि तेजी से बर्फ पिघलने से उत्तरी समुद्री मार्ग खुलते जा रहे हैं। स्वेज नहर की तुलना में व्यापार के लिए यह नया मार्ग अधिक सुरक्षित माना जा रहा है।

सुदूर आर्कटिक परिषद में कुल आठ देश, कनाडा, फिनलैंड, डेनमार्क, आइसलैंड, नार्वे, स्वीडन, अमेरिका और रूस शामिल हैं। अमेरिका ने ग्रीनलैंड में शीत युद्ध के आरंभ में ही सैन्य ठिकाना बना लिया था। इसे पहले थुले नाम से जाना जाता था, लेकिन अब पिटुफिक स्पेस बेस के नाम से जाना जाता है। इस ठिकाने पर एक अत्यंत शक्तिशाली रडार अमेरिका ने तैनात किया हुआ है, जो यहां की जानकारी उसे तुरंत देता है। यह रडार इतना सतर्क है कि अंतरिक्ष में सक्रिय किसी गेंद जैसी वस्तु को भी यह देखने में सक्षम है। यानी परमाणु हथियार ले जा रही बैलिस्टिक मिसाइल अगर इस क्षेत्र से गुजरती है तो वह रडार की पकड़ में आसानी से आ सकती है। कोयले का भी इस क्षेत्र में अकूत भंडार है। औद्योगिक विकास के वास्ते खनिज संपदा के लिए यहां व्यापारिक गतिविधियां तेज हुई हैं। इस कारण यहां पारिस्थितिकी तंत्र गड़बड़ाने लगा है।

इस क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के अनेक दुष्परिणाम दिखाई दे रहे हैं। इनमें से एक उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव क्षेत्रों में पृथ्वी पर बढ़ते तापमान के कारण बर्फ का पिघलना भी है। अत्यधिक गर्मी या सर्दी का पड़ना भी इसके कारक माने जा रहे हैं। वैज्ञानिकों की यह चिंता तब और ज्यादा बढ़ गई, जब आर्कटकि में फ्रांस से भी बड़े आकार के हिमनद 'टाटेन' के पिघलने की जानकारी अनुमान से कहीं ज्यादा निकली। यानी अभी तक जो अनुमान लगाए गए थे, उसकी तुलना में यह विशालकाय हिमनद कहीं अधिक तेजी से पिघल रहा है।

इससे समुद्र का जलस्तर बढ़ने की भी आशंका जताई जा रही है। सेंट्रल वाशिंगटन विवि के पाल बिनबेरी की एक रपट के मुताबिक, 'अध्ययन से पहले लगता था कि 'टाटेन' हिमनद की बर्फ स्थिर है, लेकिन जलवायु परिवर्तन के असर के कारण इसकी स्थिरता में बदलाव देखा गया है और यह तेजी से पिघल रहा है। यदि आर्कटिक में उत्खनन की गतिविधियां बढ़ती हैं, तो निश्चित रूप से विश्वस्तर पर जलवायु परिवर्तन का संकट गहराएगा।

अतीत की यादें और भविष्य की चिंता छोड़िए; हर पल को जीना ही बुद्धिमानी है, जो आज है वही असली जीवन

समय प्रकृति के द्वारा दिया गया एक ऐसा अमूल्य उपहार है, जो निरंतर गतिमान रहता है। विशेष बात यह है कि इसकी गति पर किसी भी परिस्थिति का कोई प्रभाव नहीं पड़ता। समय के तीन पहलू हैं, जिनको हम भूतकाल, वर्तमान एवं भविष्य के नाम से जानते हैं। अगर तुलनात्मक दृष्टि से देखा जाए तो इन सभी पहलुओं में वर्तमान का महत्त्व सर्वाधिक है। कारण यह है कि भूतकाल स्मृतियों के रूप में संचित हो जाता है और भविष्य कल्पनाओं के रूप में प्रस्फुटित होता रहता है। इन दोनों पर ही हमारा लेशमात्र भी नियंत्रण नहीं होता। समय के जिस पहलू को हम अपने अनुसार नियंत्रित और समायोजित कर सकते हैं, वह है वर्तमान।

इतना अवश्य है कि इस वर्तमान को सुंदर ढंग से चित्रित करने और सजाने-संवारने में हम भूतकाल की स्मृतियों और अनुभवों तथा भविष्य के लिए की गई कल्पनाओं का सहारा ले सकते हैं।

वर्तमान का प्रत्येक छोटे से छोटा क्षण हमारे लिए एक छोटे से जीवन की भांति है, जिसको हमें खुलकर पूरी प्रसन्नता और उत्साह के साथ जीने का प्रयास करना चाहिए। भूतकाल के साथ अनेक सकारात्मक और नकारात्मक पहलू जुड़े रहते हैं। अच्छे अनुभव और स्मृतियां इसके सकारात्मक पहलू हैं, जबकि असफलताएं, कठिन संघर्ष और कष्ट भूतकाल के नकारात्मक पहलू को निर्मित करते हैं।

यह पूर्णतया हमारी बुद्धिमत्ता और विवेक पर निर्भर करता है कि हम भूतकाल के किस पहलू का उपयोग वर्तमान की रचना करने में करते हैं। रही बात भविष्य की, तो वह तो पूर्णतया हमारे हाथ से बाहर है। हम केवल और केवल अपने लक्ष्य से संबंधित अच्छी कल्पनाएं करके, उनके रंगों को वर्तमान के आलेखन में सुव्यवस्थित और सुनियोजित ढंग से भर सकते हैं।

भविष्य को लेकर अपने मन में प्रतीक्षा का भाव रखना और इस कारण वर्तमान की उपेक्षा करते रहना नितांत अविवेकपूर्ण है। यह एक कटु सत्य है कि जब वर्तमान भूतकाल में परिणत हो जाता है, तभी हमें उसकी वास्तविक सुंदरता का अनुभव होता है। भूतकाल के लिए पश्चाताप और भविष्य के लिए चिंता हमें एक ऐसे भंवर में धकेल देते हैं, जो हमारे सुंदर सपनों और आकांक्षाओं से हमें हमेशा के लिए दूर कर देता है। हमें आशा, शांति, सुकून और संतोष से भरे हुए जीवन का अनुभव करने के लिए भूत और भविष्य पर केंद्रित न रहते हुए सतत रूप से वर्तमान की सुंदरता का रसास्वादन करते रहना चाहिए।

वर्तमान की उपेक्षा करना किसी भी दृष्टिकोण से बुद्धिमता का परिचायक नहीं है, क्योंकि वर्तमान और वास्तविकता सही मायने में एक दूसरे के पर्याय हैं। भूतकाल वास्तविकता के दायरे को पार करके एक अलग आयाम में पहुंच चुका है, जबकि भविष्य अभी वास्तविकता में परिणत ही नहीं हुआ है। इसलिए भूतकाल और भविष्य से बंधे रहकर वर्तमान की सुंदरता को भूल जाना कहीं न कहीं हमारे अविवेक और अदूरदर्शिता को ही दर्शाता है। वर्तमान का प्रत्येक पल अपने आप में एक अल्पकालिक, लेकिन सुंदर से जीवन को अभिव्यक्त करता हुआ प्रतीत होता है।

आवश्यकता है केवल उसे पहचानते हुए उसकी अद्भुत सुंदरता में खोकर जीवन के उस अमूल्य क्षण में छिपे हुए आनंद की अनुभूति करने की। भूतकाल की कल्पना और भविष्य की चिंता निश्चित रूप से इस अनुभूति में बहुत बड़ी बाधक बन सकती है। चिंता, दुख और निराशा जैसे भाव तभी जन्म लेते हैं, जब हम या तो भूतकाल के विषय में अधिक विचार करते हैं या फिर भविष्य को लेकर अगणित निराधार कल्पनाओं में खो जाते हैं।

वर्तमान तो ऐसा क्षण है, जिसको अपनी अपेक्षानुरूप आकार देना पूर्ण रूप से हमारे अपने वश में होता है। जरा अपने विवेक और दूरदर्शिता के साथ इस तथ्य के विषय में विचार करें कि जो हमारे विचारों, बुद्धिमता एवं क्षमताओं के दायरे से बाहर है, उसके पीछे अपने अमूल्य समय को बर्बाद करके हमें क्या हासिल होने वाला है। हमारे दृष्टिक्षेत्र एवं कल्पनाक्षेत्र की सीमाओं के भीतर केवल और केवल वर्तमान ही है। सुख एवं प्रसन्नता का भाव केवल और केवल वर्तमान पर केंद्रित रहकर ही अर्जित किया जा सकता है।

भविष्य को लेकर योजना बनाना तो सर्वथा उचित है किंतु यह मान लेना कि भविष्य हमारे विचारों के अनुरूप ही आकार ग्रहण करेगा, बेवकूफी है। वर्तमान का प्रत्येक क्षण शांति एवं प्रसन्नता का अथाह भंडार है, बशर्ते कि भूतकाल एवं भविष्य से संबंधित किसी भी तरह के विचार का उसके साथ कोई भी दखल न हो। प्रत्येक दिन हमें जीवन के रूप में प्रकृति द्वारा दिए गए अमूल्य उपहार के लिए उसे हृदय से धन्यवाद देना चाहिए।

प्रकृति के द्वारा रची गई सुंदर एवं अद्भुत प्रकृति की गोद में अपना कुछ समय व्यतीत करते हुए उसके मौन संदेश को सुनने एवं समझने का प्रयास करना चाहिए। प्रकृति की मौन ध्वनि को केवल और केवल उसी स्थिति में समझा जा सकता है जबकि हम शांत चित्त से एकांत में बैठकर अपनी अंतरात्मा से जुड़ने का प्रयास करें। मगर क्या यह उस स्थिति में संभव है जब हमारे अंतर्मन में भूतकाल एवं भविष्य को लेकर अनेक उधेड़बुन चल रही हो। संभवतः नहीं, क्योंकि प्रकृति से सच्चे अर्थो में जुड़ने के लिए मन का विकारमुक्त होना नितांत आवश्यक है।

चिंता एवं अनावश्यक विचारों की भीड़ मन को विकृत करने में अहम भूमिका निभाती हैं। जब मन पूर्णरूपेण वर्तमान के साथ सम्बद्ध होता है, तो हमारी भावनाएं, विचार, इच्छाशक्ति एवं संवेदनाएं बाहरी परिवेश के साथ पूर्णतया लयबद्ध होती हैं और ऐसी स्थिति में हम अपने अंतस के भीतर एक अद्भुत आनंद को जन्म लेता हुआ महसूस कर सकते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो वर्तमान से जुड़ाव ही जीवन को एक सही एवं अर्थपूर्ण दिशा प्रदान कर सकता है।

अतिवृष्टि से खुल गई देश के विकास की तस्वीर की पोल

देश के विकास की असली तस्वीर इस बार मानसून में दिल्ली में देखने को मिली है। देश की राजधानी बारिश और यमुना के जलस्तर बढ़? से हाल-बेहाल हो गई। राजधानी की जिंदगी पर ब्रेक लग गया। इससे सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि बारिश से देश के अन्य राज्य कितने हाल-बेहाल होंगे। यह समस्या नई नहीं है। देश में हर साल मानसून के दौरान लगभग सभी राज्यों में यही हाल होता है। विकास का वादा और दावा करने वाली सरकारें और राजनीतिक दल सिर्फ हवाई किले बना कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेते हैं। इसमें कोई भी दल पीछे नहीं हैं। ऐसे मौकों पर नेता गिरगिट की तरह रंग बदलने लगते हैं और जिम्मेदारी को पूववर्ती सरकारों के पाले में डाल कर बरी हो जाते हैं। बाढ़ और उसके जैसे हालात से साबित हो गया है कि नेताओं को देश के आम लोगों की जिन्दगी और मौत की फिक्र नहीं है। यह हालत हुई है देश में वोट बैंक की राजनीतिक के कारण। इसके कारण अतिक्रमण और प्रकृति से छेड़छाड़ की कीमत हर साल चुकानी पड़ रही है। यह समस्या विकराल होती जा रही है।

दिल्ली में यमुना नदी की बाढ़ एक पुरानी समस्या है, जो हर मॉनसून में तबाही मचा देती है। सितंबर के पहले हफ्ते में भारी बारिश और हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़? से यमुना का जलस्तर खतरे के पार चला गया। पुरानी दिल्ली रेलवे ब्रिज पर 205 मीटर (खतरे का स्तर) पार कर 207.48 मीटर तक पहुंच गया। इससे 10,000 से ज्यादा लोग बेघर हो गए। मयूर विहार, यमुना बाजार, मजनू का टीला जैसे इलाके डूब गए, ट्रैफिक जाम लग गया। पुराने रिकॉर्ड्स के अनुसार, 1956 से पहले यमुना हर साल ट्रांस-यमुना इलाकों को डुबो देती थी। 1978 में सबसे भयानक बाढ़ आई, जब जलस्तर 207.49 मीटर पहुंचा और अलीपुर ब्लॉक, मॉडल टाउन जैसे इलाके डूब गए। इसमें 18 मौतें, 10 करोड़ का नुकसान। उसके बाद 1988, 1995, 1998 में हाई फ्लड्स आए, लेकिन इम्बैंकमेंट (बांध) बनने के बाद भी समस्या बनी रही। 1956 से पहले ऐसा कम होता था, लेकिन अब इम्बैंकमेंट ने जगह कम कर दी। वर्ष 2023 में फ्लडप्लेन अतिक्रमण मुख्य वजह था। नदी का पानी सोखने की क्षमता खत्म हो गई। मलबा डालने से बेड ऊंचा हो गया। यमुना में गाद जमा हो गई और नदी उथली हो गई। दिल्ली सरकार और दिल्ली विकास प्राधिकरण अतिक्रमण रोकने में नाकाम रहे। लोगों और बिल्डर्स ने फ्लडप्लेन पर अवैध कॉलोनियां बना ली। साल 2023 के बाद भी फ्लडप्लेन पर निर्माण (रिवरफ्रंट प्रोजेक्ट) ड्रेन क्लीनिंग और डिसिल्टिंग का इंतजाम नहीं किया गया। केंद्र सरकार (जल शक्ति मंत्रालय) बैराज ऑपरेशन में समन्वय की कमी बाढ़ की हालात का बड़ा कारण रहा।

देश में बाढ़ के हालात को लेकर सरकारें नींद में गाफिल हैं। सुप्रीम कोर्ट सरकारों को जगाने का प्रयास कर रहा है। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड समेत उत्तर भारत के कई राज्य बीते कुछ दिनों से बाढ़ की चपेट में हैं। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर भारत के बाढ़ प्रभावित राज्यों में अवैध पेड़ कटाई के प्रथम दृष्टया प्रमाण पर चिंता जताई है। कोर्ट ने पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर की सरकारों को तीन सप्ताह में जवाब देने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान कहा सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह ऊपरी पहाड़ी इलाकों में बड़े पैमाने पर पेड़ों की अवैध कटाई का संकेत है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और के विनोद चंद्रन की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि वे संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर इसके कारणों का पता लगाएं। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से उत्तर भारत के कई राज्यों में आसमान से आफत बरस रही है। फ्लैश फ्लड यानी बादल फटने की घटनाओं, भारी बारिश और लैंडस्लाइड जैसी आपदाओं में सैकड़ों जानें गई हैं। ये आफत थमने का नाम नहीं ले रही हैं। भारतीय मौसम विभाग ने चार राज्यों में फ्लैश फ्लड की चेतावनी जारी की है। इन राज्यों में उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश शामिल हैं।

अगस्त 2025 में उत्तर-पश्चिम भारत में 265 मिमी बारिश हुई, जो 2001 के बाद सबसे ज्यादा है। आईएमडी ने सितंबर में 109 प्रतिशत ज्यादा बारिश की चेतावनी दी है। अगस्त 2025 में उत्तर-पश्चिम भारत में वर्ष 2001 के बाद सबसे ज्यादा 265 मिमी बारिश हुई, जो रिकॉर्ड तोड़? वाली है।

भारतीय मौसम विभाग ने सितंबर 2025 के लिए सामान्य से 109 प्रतिशत ज्यादा बारिश की चेतावनी दी है, जिससे और तबाही का खतरा बढ़ गया है। अतिवृष्टि से हिमाचल प्रदेश में 320 मौतें, 788 सड़कें बंद, 2174 ट्रांसफॉर्मर डैमेज हुए। कुल 23 फ्लैश फ्लड, 19 क्लाउडबर्स्ट, 16 भूस्खलन हुए। उत्तराखंड में धराली, उत्तरकाशी में फ्लैश फ्लड हुआ। जम्मू-कश्मीर में वैष्णो देवी रूट पर भूस्खलन से 30 से अधिक मौतें और 20 लोग घायल हुए। जम्मू में तवी नदी का ब्रिज गिर गया। पंजाब में ब्यास, सतलुज, रावी उफान पर हैं। इससे 3 लाख एकड़ फसल बर्बाद हो चुकी है। पंजाब के 7 जिले बाढग्रस्त हैं।

अतिवृष्टि के मौजूदा हालात के लिए मौसम की मार नहीं बल्कि विकास की गलतियां जिम्मेदार हैं। मौसम पूर्वानुमान बेहतर हो रहा है, लेकिन चेतावनियों पर प्रतिक्रिया न देना बड़ी समस्या है। वेल डिफाइंड सिस्टम (जैसे चक्रवात) पर 2-4 दिन पहले अलर्ट संभव, लेकिन मेजोस्केल सिस्टम (10-100 किमी) में बादल 15 किमी ऊपर बनकर 1 घंटे में भारी बारिश कर देता है। रडार-सैटेलाइट से पता चलने पर सिर्फ 10-15 मिनट मिलते हैं। वक्त रहते चेतावनी के लिए ऑल वेदर कम्युनिकेशन सिस्टम, हैम रेडियो से कम्युनिटी रेडियो, स्थानीय ट्रेनिंग और ज्यादा रडार लगाने पड़ेंगे। बाढ़ जैसी प्रावृकृतिक कम और मानवजनित ज्यादा जैसी आपदा का प्रमुख कारण देश के विकास मॉडल का प्रकृति से खिलवाड़ करके बनाया जाना है। राजनीतिक दलों को इसकी परवाह नहीं है। दीर्घकालीन नीतियों के बाद अल्पकालीन नीतियों से विनाश हो रहा है। नीतियां बनाते वक्त दूरदर्शिता का इस्तेमाल नहीं किया गया। देश का एक भी राज्य ऐसा नहीं है जहां नदी-नालों के प्राकृतिक स्त्रोतों का अतिक्रमण नहीं किया गया हो। गंगा सहित देश की हर नदी आधुनिक विकास की नाकामियों से उपजे प्रदूषण की मार झेल रही हैं। सरकारी आकंडों में देश में वनों का विकास दर्शाया जाता है। इसके विपरीत जंगलों की कटाई का खेल जारी है।

बर्बादी का यह आलम राजनीतिक दलों की स्वार्थ नीति से उत्पन्न हुआ है। सत्ताधारी दलों ने वोट बैंक की राजनीति में विकास की दौड़ को अंधा बना दिया है। जब कभी अदालतों के आदेश पर अतिक्रमण हटाने के अभियान चलाए जाते हैं, तो नेता बीच में आ जाते हैं। यही वजह है कि देश में एक भी बड़ा शहर अतिक्रमण से अछूता नहीं रहा है। अतिक्रमियों ने नदियों, जंगल बल्कि पहाड़ों तक को नहीं छोड़ा है। देश के प्राकृतिक संसाधनों पर दोहरी मार पड़ रही है। एक तरफ अतिक्रमण और दूसरी तरफ अतिदोहन का सिलसिला थम नहीं रहा है। इसके अलावा शहरों के अनियोजित विकास ने हालत करेला और नीम चढ़ा जैसी कर दी है। आश्चर्य यह है कि इतना विनाश हर साल होने के बावजूद नेताओं की नींद नहीं खुल रही है। वोट बैंक के लिए बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से जान-माल का होने वाला नुकसान अभी भी राजनीतिक दलों के एजेंडे से बाहर है। राजनीतिक दलों को शायद समझ तभी आएगी, जब देश के आम लोग सड़कों पर उतर कर विरोध करेंगे।

विकसित उत्तर प्रदेश 2047 अभियान के अंतर्गत प्रबुद्धजनों की उपस्थिति में जन पहल एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित

प्रबुद्धजनों के परामर्श व व्यापक जनसहभागिता के साथ विकसित उत्तर प्रदेश 2047 की कार्ययोजना का आगाज-जिलाधिकारी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। शासन के मंशानुसार प्रधानमंत्री जी की दूरदर्शी पहल विकसित भारत 2047 के द्वारा भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र के रूप मे स्थापित करने की दिशा में विकसित भारत 2047 की अवधारणा को साकार करने हेतु मुख्यमंत्री जी द्वारा उत्तर प्रदेश को वर्ष 2047 तक एक विकसित राज्य बनाने का संकल्प लिया गया है।

समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश 2047 अभियान के दो दिवसीय क्रम में शासन द्वारा जनपद भदोही में क्षेत्र विशेष के नामित प्रबुद्धजनों व नोडल अधिकारी द्वारा जनपद के 'विजन डॉक्यूमेंट 2047 के निर्माण हेतु प्रथम सत्र विकास खण्ड ज्ञानपुर के अन्तर्गत काशी नरेश राजकीय स्नाकोत्तर महाविद्यालय ज्ञानपुर में छात्र, शिक्षक, समाजसेवियों के साथ संवाद एवं द्वितीय सत्र कलेक्टेड्ट सभागार में निर्यातको, उद्यमियों, व्यापारियों के साथ उद्यमी संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें जनपद के राष्ट्रपति पुरस्कार व राज्यपाल/मुख्यमंत्री पुरस्कार से सम्मानित शिक्षकों द्वारा शिक्षा व शिक्षण अधिगम के विभिन्न नवीन आयामों पर सुझाव दिया गया। टेक्नोलॉजिकल डेवलपमेंट व तकनीकी शिक्षा व विकास को गति देने से संबंधित तकनीकी पहलुओं पर अपने-अपने विषयों से संबंधित विशेषज्ञों द्वारा अपने सुझाव दिए गए। तो वही उद्यमी संवाद में जनपद के व्यापारियों, निर्यातकों द्वारा उद्यम के नये क्षितिज पर कालीन नगरी के विभिन्न नये निर्यात व व्यापार के बिन्दुओं को रेखांकित किया गया।

इस अवसर पर शासन द्वारा नामित प्रबुद्धजन सर्वज्ञराम मिश्र सेवानिवृत्त आईएएस, चर्तुभुजीनाथ सेवानिवृत्त आईएफएस, प्रोफेसर डॉ0 उमेश चन्द्रा, आचार्य नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय अयोध्या, नामित नोडल अधिकारी प्रकाश बिन्दु आईएएस सचिव लोक निर्माण विभाग द्वारा जिलाधिकारी शैलेष कुमार, पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक, मुख्य विकास अधिकारी बाल गोबिन्द शुक्ल के साथ कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया।

प्रधानाचार्य द्वारा विकसित उत्तर प्रदेश/2047 के संदर्भ में अपने विचार व्यक्त किये गये। समारोह में उपस्थित विभिन्न प्रबुद्धजनों के द्वारा उपरोक्त संदर्भ में विचार विमर्श किया गया तथा देश तथा राज्य को विकसित बनाने हेतु विचारों को संकलित किया गया, जिसमें संस्था के छात्र/छात्राओं से संवाद स्थापित किया गया।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर जिलाधिकारी शैलेष कुमार द्वारा आये हुए अतिथियों का सम्मान करते हुए कार्यक्रम की प्रासंगिकता व उपयोगिता पर बल दिया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि इस मिशन को दिशा प्रदान करने एवं पथ प्रदर्शन हेतु एक विजन डॉक्यूमेंट बनाया जा रहा है। यह विजन डॉक्यूमेट 03 थीम-अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति, जीवन शक्ति एवं 12 सेक्टर-कृषि एवं सम्बद्ध, पशुधन सरक्षण, औद्योगिक विकास आई0टी0 एवं इमर्जिंग प्रौद्योगिक, पर्यटन, नगर एवं ग्राम्य विकास, अवस्थापना, संतुलित विकास, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा सुरक्षा एवं सुशासन पर ध्यान केन्द्रित करते हुए तैयार किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि विजन डॉक्यूमेंट के निर्माण की दिशा में समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश /2047 प्रारभ किया जा रहा है। इसका उद्देश्य जनमानस में जागरूकता उत्पन्न करना तथा नागरिकों की आकांक्षाओं को संज्ञान में लेते हुये प्रदेश के नागरिकों को राज्य के विकास में सहयोगी व सहभागी बनाते हुये गर्व की भावना को विकसित करना है। उन्होंने विजय डॉक्यूमेंट 2047 हेतु जनभागीदारी से ही इसका निर्माण होगा। इसलिए उन्होंने जनपदवासियों से अपील किया कि दिये गये क्यूआर कोड या समर्थ उत्तर प्रदेश नामक पोर्टल पर प्रत्येक परिवार से कम से कम एक सुझाव

दे। तत्पश्चात सर्वज्ञराम मिश्र सेवानिवृत्त आईएएस द्वारा समर्थ उत्तर प्रदेश, समृद्ध उत्तर प्रदेश, सशक्त उत्तर प्रदेश, आत्म निर्भर उत्तर प्रदेश हेतु तीन प्रमुख थीम अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति तथा जीवन शक्ति का समुचित प्रयोग कर हम अपने प्रदेश को कैसे विकसित उत्तर प्रेदश बना सकते है, कैसे विकसित भदोही की कल्पना कर सकते है, जिसमें आमजन का विचार समृद्ध उत्तर प्रदेश के निर्माण में अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश केवल भारत की सांस्कृतिक व अध्यात्मिक आत्मा का केन्द्र ही नही बल्कि राष्ट्र की राजनीतिक चेतना व आर्थिक आकांक्षाओं का सशक्त वाहक भी है। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री जी मार्गदर्शन में वर्ष 2017 से 2025 के बीच उ0प्र0 में सुरक्षा सुशासन और विकास की ठोस नीव रखी है। इसी आधार पर वर्ष 2047 तक उ0प्र0 को भारत का सबसे अग्रणी और विकसित राज्य बनाये जाने हेतु विशेषज्ञों के परामर्शो और व्यापक जनसहभागिता के साथ विकसित उ0प्र0 2047 की कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

चर्तुभुजीनाथ सेवानिवृत्त आईएफएस द्वारा बताया गया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चिन्हित 12 सेक्टरों कृषि, पशुधन, औद्योगिक विकास, आई.टी. एवं टेक्नालाजी, पर्यटन, नगर विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा का विजन डाक्यूमेंट बनाने में जन संवाद सुधीजन एंव विद्वतजन तथा विद्यार्थियों को क्यूआर कोड के माध्यम से स्कैन कर सरकार तक अपने विचार भेज सकते है। उन्होंने प्रदेश के विकास में पर्यावरण व व्यवसायिक कृषि के नवीन सम्भावनाओं के रेखांकित करते हुए कृषकों को लाभपरक हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने सर्वे भवन्तु सुखिना एवं वीर भोग्या वसुन्धरा के आदर्श को आत्मसात करते हुए विकसित व आत्मनिर्भर उ0प्र0 के शताब्दी संकल्प को रेखांकित किया।

प्रोफेसर डॉ0 उमेश चन्द्रा आचार्य नरेन्द्र देव कृषि विश्वविद्यालय अयोध्या ने उ0प्र0 के विकास में कृषि एवं संबंध सेक्टर, पशुधन संरक्षण सेन्टर पर विशद बल देते हुए कृषि शिक्षा, उद्यान विभाग, चीनी उद्योग एवं गन्ना उद्योग, सिंचाई एवं जल संसाधन, पशुपालन एवं डेयरी विकास, मत्स्य विभाग का प्रदेश की प्रगति में योगदान को स्पष्ट किया।

नामित नोडल अधिकारी प्रकाश बिन्दु आईएएस सचिव लोक निर्माण विभाग द्वारा अवस्थापना नगर एवं ग्राम्य विकास संतुलित विकास पर बल दिया गया। उन्होंने लोक निर्माण, ऊर्जा, परिवहन, नागरिक उडड्यन, नगर विकास, आवास एवं शहरी नियोजन, ग्राम्य विकास व पंचायती राज, सहित विभिन्न सेक्टरों के विकास परक ढॉचों को रेखांकित किया। उन्होंने संगोष्ठी में कहा कि सरकार की कोई भी योजना तब ही सफल होती है जब जनता उसे विश्वास व सक्रिय सहभागिता के साथ आगे बढ़ाती है। विकसित उत्तर प्रदेश की परिकल्पना भी हर प्रदेशवासी के सहयोग से साकार होगी। उपर्युक्त चारों नामित प्रबुद्धजनों द्वारा जनपद के प्रत्येक परिवार से सुझाव देने का आग्रह किया गया। हर परिवार क्यूआर कोड या समर्थ उत्तर प्रदेश विशेष पोर्टल से ऑनलाईन सुझाव सीधे सरकार तक दे। चयनित सुझावों को जनपद/प्रदेश स्तर पर पुरस्कृत किया जायेगा।

छात्र, शिक्षक, आमजनमानस, आधारित प्रथम संवाद सत्र में उपस्थित जनपद के प्रबुद्धजनों-बेसिक प्राधानाचार्य योगिता हेमकर, प्रोफेसर भारतेन्दु द्विवेदी, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त श्रीनाथ पाण्डेय, परसीपुर प्राधानाचार्य डॉ0 अजय कुमार पाण्डेय, शिक्षिका शिल्पी अग्रवाल, राष्ट्रीय पर्यावरण विद व शिक्षक अशोक गुप्ता, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मनित रामलाल सिंह यादव, राज्य पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक संतोष कुमार सिंह व अन्य जनपदवासियों द्वारा विकसित उ0प्र0 के निर्माण में शिक्षा की नवीन पद्धति व कोर्स, मूल्य व संस्कृति आधारित शिक्षा सहित शिक्षा के नवीन सम्भावनाओं पर अपने विचार व सुझाव रखें।

द्वितीय सत्र में उद्यमी संवाद के क्रम में बुनकर संघ के अध्यक्ष उमेश गुप्ता व पदाधिकारी भरतलाल मौर्य, गोपीगंज व्यापार मण्डल अध्यक्ष श्रीकान्त जायसवाल, ज्ञानपुर चेयरमैन घनश्यामदास गुप्ता, खमरिया के निर्यातक ईरफान अली, उद्यमी अजय सिंह, उद्यमी व मीडिया बन्धु संजय श्रीवास्वत व महेश जायसवाल, ईट भट्ठा संघ अध्यक्ष मिठाई लाल सहित अन्य निर्यातको, व्यापार मण्डल के पदाधिकारीगण ने बुनकरों के विकास कालीन निर्यात के विभिन्न नवीन सम्भावनाओं पर्यटन व व्यापार विकास के नये क्षितिज पर कालीन नगरी आधारित विभिन्न विजन डाक्यूमेंट हेतु अपने विचार व संकल्प साझा किया।

कार्यक्रम में सीएमओ डॉ0 संतोष कुमार चक, जिला विद्यालय निरीक्षक अंशुमान, बीएसए विकास चौधरी, उपायुक्त उद्योग आशुतोष सहाय पाठक, उपायुक्त मनरेगा राजाराम, डीईएसटीओ शशिकान्त, डीआईओ डॉ0 पंकज कुमार, केएनपीजी कालेज के डॉ0 रिचा, डॉ0 विपुल सिंह, बीएन पाल आदि अधिकारी व प्रोफेसरगण, कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

नाजायज तमंचा व जिंदा कारतूस के साथ पकड़े गये दोषी को कारावास

भदोही। थाना सुरियावां क्षेत्र अंतर्गत दिनांक 12.10.2006 को चेकिंग के दौरान अभियुक्त राजेंद्र प्रसाद पुत्र अवधराज सोनकर निवासी मोढ़ थाना व जिला भदोही को साधन सहकारी समिति ग्राम मनापुर से 01 अदद नाजायज तमंचा 315 बोर एवं 02 अदद जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर मु0अ0सं0-521//2006 धारा-3/25 आयुध अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर स्थानीय पुलिस द्वारा त्वरित विवेचना व प्रभावी साक्ष्य संकलन करते हुए आरोपी के विरुद्ध आरोप पत्र न्यायालय प्रेषित किया गया। पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश लखनऊ के आदेश एवं अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही के कुशल निर्देशन में पंजीकृत अपराधों में दोषी अभियुक्त के विरुद्ध न्यायालय द्वारा अधिकतम/त्वरित दण्डात्मक कार्यवाही हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में स्थानीय पुलिस, मॉनिटरिंग सेल व ए0पी0ओ0 श्री अभिषेक सिंह की प्रभावी पैरवी के फलस्वरुप न्यायाधीश कमलेश कुमारी न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय भदोही ज्ञानपुर द्वारा दोषी अभियुक्त राजेंद्र प्रसाद पुत्र अवधराज सोनकर निवासी मोढ़ थाना व जिला भदोही को अन्तर्गत धारा 3/25 आयुध अधिनियम में जेल में बितायी गयी अवधि के बराबर कारावास व ?3000/- अर्थदंडसे दंडित किया गया। अभियुक्त द्वारा अर्थदंड न अदा करने पर 05 दिवस साधारण कारावास भुगतना होगा।

मोटरसाइकिल चोर गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। थाना औराई पर वादी द्वारा ग्राम उगापुर सूर्य कारपेट के सामने से उनकी हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल चोरी होने के संबंध में सूचना दिया गया। थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-268/2025 धारा-303(2) भा.न्या.सं. का अभियोग पंजीकृत करते हुए विधिक कार्यवाही प्रचलित की गई।

अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा जनपद में चुस्त दुरुस्त कानून व्यवस्था के दृष्टिगत चोरी की घटनाओं के शीघ्र अनावरण व पंजीकृत अभियोग से सम्बंधित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु निर्देश के क्रम में शुभम अग्रवाल, अपर पुलिस अधीक्षक भदोही के पर्यवेक्षण में आज दिनांक 10.09.25 को उ0नि0/विवेचक श्री विजय कुमार सरोज मय हमराह हे0का0 कमलेश सिंह यादव देखभाल क्षेत्र उगापुर नहर पुलिया चौराहा पर शान्ति व्यवस्था ड्यूटी में मौजूद थें कि जरिये मुखबीर खास सूचना मिली कि मु0अ0स0 268/25 धारा 303(2) बीएनएस में चोरी की गयी मोटरसाइकिल से एक व्यक्ति सवार होकर स्वयं चलाते हुये भरत पुर के तरफ से नहर सड़क पटरी से उगापुर की तरफ आ रहा है। अगर जल्दी किया जाये तो वह चोरी के वाहन सहित पकड़ा जा सकता है। इस सूचना पर विश्वास कर अभियोग के वादी मुकदमा के मो0 न0 9793126576 पर मो0सा0 पहचान करने के उद्देश्य से सूचित करते हुए उगापुर आने-जाने वाले वाहनों पर सतर्क दृष्टि लगाकर उपरोक्त वाहन व चालक का इन्तजार करने लगे कि कुछ देर पश्चात एक मो0सा0 सवार व्यक्ति आता हुआ दिखाई दिया जिसके तरफ मुखबीर ने इशारा कर बताया गया। पुलिस द्वारा एकाएक उसके सामने आकर वाहन रोकने का इशारा किये तो वह गाड़ी वही गिराकर मो0सा0 से उतर कर

तेजी से पीछे मुडकर भागना चाहा कि वही करीब 10-12 कदम की दूरी पर पकड़ लिया गया पकड़े हुये व्यक्ति से भागने का कारण पूछा गया तो बताया कि साहब जिस मो0सा0 से मय आ रहा था जो गिरी पड़ी है। वह मो0सा0 मैने दिनांक 14.05.2025 की रात में सूर्या कारपेट उगापुर के सामने से चोरी किये थे। पुलिस से बचने के लिये भागते समय रास्ते मे नहर किनारे एक जगह यह मो0सा0 रोककर मो0सा0 का नम्बर प्लेट पीछे का तोड़कर बहते हुये नहर के पानी मे फेंक दिये थे। पकड़े गये व्यक्ति से नाम पता पूछा गया तो उसने अपना नाम आशीष वर्मा पुत्र दीपक कुमार सेठ निवासी रामरायपुर थाना भदोही जनपद भदोही उम्र लगभग 20 वर्ष बताया। अभियुक्त यह कार्य अन्तर्गत धारा 303(2), 317(2) बीएनएस का दण्डनीय अपराध पाकर अपराध से बोध कराते हुए समय 5.20 बजे गिरफ्तार किया गया। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर पंजीकृत अभियोग का सफल अनावरण करते हुए पंजीकृत अभियोग में धारा-317(2) बी.एन.एस की बढ़ोत्तरी करते हुए विधिक कार्यवाही की गई। अभियुक्त के अन्य आपराधिक घटनाओं में संलिप्तता की जांच की जा रही है।

इफको नैनो उर्वरक जागरूकता अभियान के अंतर्गत विकास खंड स्तरीय कृषक गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद में विकास खंड ज्ञानपुर के बी पैक्स रमईपुर में नैनो उर्वरकों पर आधारित विकास खंड स्तरीय कृषक गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि इफको डेलीगेट भदोही राजेंद्र कुमार सिंह थे । कार्यक्रम में बी पैक्स रमईपुर अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह, बी पैक्स रोही पिलखुना अध्यक्ष प्रेम स्वरूप तिवारी, ग्राम प्रधान दशरथपुर प्रदीप त्रिपाठी, ग्राम प्रधान पिलखुना विनोद कुमार मिश्र एवं रमईपुर सचिव बालमुकुंद सिंह थे।

क्षेत्र अधिकारी इफको भदोही विमल कुमार जायसवाल द्वारा किसानो को फसलों के लिए आवश्यक पोषक तत्वों के बारे में जानकारी दी गई । किसानो को नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया प्लस के प्रयोग विधि एवं लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई । नैनो डीएपी के 5 मिलीलीटर प्रति किलोग्राम की दर से बीज शोधन एवं 5 मिलीलीटर प्रति लीटर के दर से जड़ शोधन करने के बाद आधा घंटा सुखाए उसके बाद बुवाई/रोपाई कर दे एवं जब फसल में पत्तियां आ जाए तो नैनो यूरिया प्लस या नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया

प्लस का एक साथ 4 मिलीलीटर / लीटर के दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करे। द्वितीय यूरिया टापड्रेसिंग में सभी किसान भाई दानेदार यूरिया के स्थान पर नैनो यूरिया का छिड़काव पत्तियों पर करे और यदि धान की फसल में जिंक की कमी के लक्षण दिख रहे है तो नैनो यूरिया के साथ नैनो जिंक 1-2 स्प्र/लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव कर सकते है ।नैनो उर्वरकों के प्रयोग से कृषकों के लागत में भी कमी आएगी साथ ही यूरिया एवं डीएपी के अत्याधिक प्रयोग से जल, मृदा एवं पर्यावरण को होने वाले नुकसान से भी अवगत कराया गया ।

आगामी रबी सीजन में सभी किसान भाई मुख्य फसलों गेहूं, सरसों, आलू में नैनो डीएपी से बीज शोधित कर बुवाई करे एवं दानेदार डीएपी की मात्रा आधी प्रयोग करे ।

किसानो को सागरिका, लिक्विड कंसोर्टिया एवं जल विलय उर्वरक के बारे में भी जानकारी दी गई।

इफको डेलीगेट महोदय द्वारा कृषकों को संतुलित मात्रा में उर्वरक उपयोग के साथ वैकल्पिक उर्वरक नैनो यूरिया प्लस एवं नैनो डीएपी के प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया गया एवं दानेदार उर्वरकों पर भारत सरकार द्वारा दी जा रही भारी भरकम सब्सिडी से भी अवगत कराया गया ।

प्रगतिशील किसान एवं ग्राम प्रधान पिलखुना विनोद कुमार मिश्र द्वारा नैनो उर्वरकों के परिणाम को लेकर अपना अनुभव भी साझा किया गया जिसमें नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया प्लस का प्रयोग गेहूं एवं धान की फसल में किया गया था इससे लागत में कमी के साथ उत्पादन भी अधिक हुआ था ।

कार्यक्रम में एसएफए हॉटस्पॉट विकास यादव, प्रगतिशील किसान जयनारायण मिश्र, छोटेलाल शुक्ल, राधेश्याम तिवारी, बनवारी यादव सहित 80 से अधिक किसानो ने प्रतिभाग किया।

श्रम पंजीयन एवं नवीनीकरण कार्ड व योजनाओं के हित लाभ हेतु जागरूकता कैंप का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। उप श्रमायुक्त मिर्जापुर परिक्षेत्र के श्री ए, के, सिंह के निर्देश पर एवं श्री एस एन सिंह सहायक श्रमायुक्त भदोही के मार्गदर्शन में आज दिनांक 10.09.2025 को ग्राम सभा चकटोडर ज्ञानपुर में श्रमिक पंजीयन, नवीनीकरण, एवं योजनाओं के हितलाभ एवं प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना, के संबंध में प्रचार प्रसार हेतु जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया।

कैंप में मुख्य अतिथि श्रीमती शीला देवी ग्राम प्रधान चकटोडर रही ।इस अवसर पर उन्होंने श्रमिक पंजीयन, नवीनीकरण, एवं बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में उपस्थित निर्माण श्रमिकों से अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन करने का अनुरोध किया गया।

इसी क्रम में श्री इंद्रजीत तिवारी द्वारा विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला गया तथा श्रमिक पंजीयन कराकर अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ लेने के लिए लोगों को प्रेरित किया गया उन्होंने कहा कि जब तक आप जागरूक नहीं होंगे तब तक आपको योजनाओं का लाभ नहीं प्राप्त हो सकता और स्थानीय स्तर पर माध्यम से आधार कार्ड बैंक पासबुक, कार्य प्रमाण पत्र, एवं मोबाइल साथ में होना अति आवश्यक है जिसमें जन्म से लेकर मृत्यु तक की योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मातृत्व शिशु हित लाभ योजना से लेकर मृत्यु अंत्येष्टि सहायता योजना तक का लाभ दिया जाता है। यह भी बताया गया कि मिर्जापुर मंडल में अटल आवासीय विद्यालय भी संचालित किया जाता है जिसमें पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के पुत्र /पुत्री को निशुल्क शिक्षा के साथ-साथ सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं जिससे उनकी शैक्षिक गुणवत्ता में अधिक से अधिक सुधार हो सके। यह भी बताया कि जिलाधिकारी महोदय के आदेश पर जनपद के सभी विकास खण्डों में, नगर पालिका / नगर पंचायत में कैंपों का आयोजन किया गया था। प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन पेंशन योजना जिसमें 18 वर्ष से 40 वर्ष आयु वर्ग के लोग बहुत ही सरलता से सीएससी के माध्यम से अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

इसी क्रम में सुधा राय रोजगार सेवक द्वारा बताया गया कि जीरो पॉवर्टी के अंतर्गत चयनित सूची में सभी लोगों का श्रमिक पंजीकरण यथाशीघ्र कर लिया जाएगा। एवं ग्राम सभा में मनरेगा के अंतर्गत काम कर रहे श्रमिकों का पंजीयन करने के लिए सभी को प्रेरित किया गया। ग्राम प्रधान द्वारा यह कहा गया कि 15 दिन के अंदर सभी मनरेगा के जॉब कार्ड धारकों का श्रमिक पंजीयन करा लिया जाएगा।

इस अवसर पर धर्मेंद्र सिंह उर्फ रिंकू सिंह ओंकार नाथ तिवारी राजू गौतम, रामविलास बिंद, दीपक मौर्या, सहित काफी संख्या में मनरेगा श्रमिक एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन इंद्रजीत तिवारी द्वारा किया गया।

जिलास्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में भदोही ब्लॉक का दबदबा

एमएलसी लालबिहारी रहे मुख्य अतिथि

भदोही। ऊँज क्षेत्र के पूरेमटुका-हरिहरपुर में स्थित श्रीमती कर्मा देवी बनवारी लाल यादव इंटर मीडिएट कॉलेज में बुधवार को जनपद स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें औराई, भदोही और ज्ञानपुर ब्लॉक की टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षक एमएलसी लाल बिहारी यादव रहे। इस प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 में बालक और बालिका की टीमों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि ने खिलाडियों से परिचाय प्राप्त किया, और प्रतियोगिता का शुभारम्भ हुआ। जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में भदोही ब्लॉक टीम का दबदबा रहा। बालक वर्ग में अंडर-19 में ज्ञानपुर, अंडर-17 में भदोही और अंडर-14 में औराई की टीम जीत दर्ज किया, वहीं बालिका वर्ग में अंडर-19 और अंडर-17 में भदोही जबकि अंडर-14 में ज्ञानपुर की टीम आगे रही। सभी विजेताओं को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि लाल बिहारी यादव ने कहा कि बच्चों को पढ़ाई के साथ साथ खेलकूद में भी बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। कहा कि खेल से शारीरिक विकास के साथ साथ आपसी प्रेम और सौहार्द की भावना बढ़ती है। मुख्य अतिथि ने बच्चों को कहा कि मन लगाकर पढ़ाई करें और अपनी मंजिल को प्राप्त करें। कहा कि प्रतिभाओ की कमी नहीं है केवल उनको प्रोत्साहित करने की जरूरत है। इस मौके पर डॉ बनवारी लाल यादव, चंद्रबली सिंह, प्रमोद यादव, अंजनी शुक्ला, विनोद मश्रि, अनिल तिवारी, ओम प्रकाश यादव, शिवलेश कुमार मौर्या, मनोज कुमार यादव समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में संचालन विनोद कुमार यादव ने किया।

पुलिसकर्मियों की तत्परता से कुएं में कूदी महिला की बचाई जान

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। डायल 112 पर सूचना मिली कि थाना औराई क्षेत्र अंतर्गत औरंगाबाद में एक महिला पारिवारिक विवाद को लेकर आवेश में आकर कुएं में कूद गई है। जिस पर तत्परता दिखाते हुए डायल-112 द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से महिला को कुएं से सुरक्षित निकाला गया। जिसे ईलाज हेतु सीएचसी औराई ले जाया गया, जहां पर महिला की स्थिति सामान्य है।पुलिसकर्मियों की तत्परता से महिला की जान बच सकी। अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा डायल 112 पर नियुक्त पुलिसकर्मियों के इस तत्पर कार्यवाही के लिए नगद धनराशि प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

जो दूसरे के दुःख से दुःखी हो वहीं सच्चा संत होता है - पंडित जय प्रकाश मिश्रा

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। गोपीगंज क्षेत्र के बिहरोजपुर में आयोजित श्रीमदभागवत कथा के संगीतमय प्रवचन में कथा वाचक जय प्रकाश मिश्रा ने भागवत कथा के महात्मय की बात विस्तार से कहीं। महाराज जय प्रकाश मिश्रा ने कहा कि भागवत ग्रन्थ समुचा का समुचा फल है, भागवत ग्रंथ केवल भागवत ही नहीं बल्कि इसमें भगवान विष्णु और लक्ष्मी दोनों की कृपा समहित है। कहा कि भागवत गीता योग का ग्रन्थ है। रामचरित मानस प्रयोग का ग्रन्थ है। श्रीमद भागवत वियोग का ग्रन्थ है। जीवन में भगवान का स्मरण होना चाहिए, संसार का विस्मरण और संत के शरण में होना चाहिए। जीवन में भागवत भक्ति, ज्ञान और वैराग्य होना चाहिए। ज्ञान और वैराग्य न होने पर भक्ति बेकार है। राजा, संत और विद्वान को भ्रमण करने से समाज और संसार का कल्याण होता है। जो है उसे छिपाना उसे कपट और नहीं है दिखाने का प्रयास पाखंड है। संत जिध? से निकलते है उधर से ही भगवान की सुगंध आती है। संत दूसरे के दुःखी होते है। इस मौके पर लक्ष्मी शंकर मिश्रा, कृपा शंकर तिवारी, नंद लाल पाण्डेय, अनिल शुक्ला, बाबा शुक्ला, छोटे तिवारी, बैजनाथ यादव समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मिर्जापुर में टीचर पत्नी से छेड़खानी का विरोध करने पर हाईकोर्ट के वकील पर जानलेवा हमला

दबंगों ने बेसबॉल बैट से पीटा, कहा- जान से मार दूंगा

लखनऊ **(एजेंसी)**। मिशन कंपाउंड कॉलोनी में सोमवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जिसमें हाईकोर्ट के वकील जॉन सैमसन सिंह पर कुछ युवकों ने जानलेवा हमला कर दिया। यह हमला उस समय हुआ जब वकील ने अपनी पत्नी, जो एक सरकारी स्कूल की शिक्षिका हैं, के साथ हो रही छेड़खानी का विरोध किया।

जॉन सैमसन सिंह (34) अपनी पत्नी स्नेहलता सिंह (33) के साथ मिशन कंपाउंड कॉलोनी में रहते हैं। स्नेहलता एक सरकारी विद्यालय में शिक्षिका हैं और प्रतिदिन 40 किमी दूर स्थित स्कूल में जाती हैं। घटना के दिन स्नेहलता रोज़ की तरह सुबह स्कूल जाने के लिए निकलीं और रमईपट्टी चौराहे पर वाहन का इंतज़ार कर रही थीं। इसी दौरान तरकापुर कॉलोनी के रहने वाले सनी सोनकर, मुकेश सोनकर और मनीष सोनकर ने उनके साथ अश्लील टिप्पणी करना शुरू कर दिया। विरोध करने पर जब युवक नहीं माने, तो स्नेहलता ने अपने पति को मौके पर बुला लिया। सैमसन सिंह ने मौके पर पहुंचकर युवकों को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे हाथापाई पर उतर आए। स्थिति सामान्य होने के बाद स्नेहलता स्कूल चली गईं और सैमसन घर लौट आए।

कुछ देर बाद तीनों आरोपी 12-15 अन्य युवकों के साथ वकील के घर पर आ धमके। आरोप है कि उन्होंने सैमसन से गाली-गलौज की और फिर बेसबॉल बैट से उन पर हमला कर दिया। वकील के पैर पर इतनी जोर से वार किया गया कि बैट टूट गया। इसके बाद दूसरा युवक टूटा बैट लेकर आया और पीटना जारी रखा। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन हमलावरों ने उन्हें भी धमकाया और दौड़ा लिया। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है जिसमें हमलावर वकील को बेरहमी से पीटते नजर आ रहे हैं। इतना ही नहीं आरोपी जाते हुए बोले- तुझे जान से मार दूंगा।

पीड़ित वकील ने तीन नामजद आरोपियों समेत कई अज्ञात लोगों के खिलाफ शहर कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई है। एसपी सिटी नितेश सिंह ने बताया कि मामले में दो आरोपियों को हिरासत में लिया गया है और बाकी की पहचान की जा रही है। जल्द ही अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया जाएगा। स्नेहलता सिंह ने कहा कि एक सप्ताह से उन्हें चौराहे पर छेड़खानी का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने कहा, 'मैं चाहती हूं कि जो मेरे साथ हुआ, वह किसी और के साथ न हो। हमें न्याय चाहिए ताकि ऐसा दुबारा किसी और के साथ न हो।'

'सलीम' को बेच दो प्लॉट नहीं तो बुलडोजर चल जाएगा

लखनऊ पुलिस पर लगा 'जमीन दलाली' का आरोप, हाईकोर्ट ने दिया अहम आदेश

लखनऊ **(एजेंसी)**। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने लखनऊ पुलिस आयुक्त को गोमती नगर थाने के कुछ पुलिसकर्मियों द्वारा जमीन कब्जाने और जमीन मालिक को धमकाने के आरोपों की जांच करने का आदेश दिया है। न्यायालय ने एक पुलिसकर्मी की पत्नी के नाम पर हुए बैनामे की भी जांच करने को कहा है। इसने गोमती पुलिस उपायुक्त को व्यक्तिगत हलफनामे के साथ जांच रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया।

मामले की अगली सुनवाई 24 सितंबर को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा व न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की खंडपीठ ने अरविंद कुमार शर्मा की याचिका पर पारित किया। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता अविरल जायसवाल ने बताया कि याची ने खरगापुर में कुल 2, 250 वर्ग फुट जमीन 2004 और 2008 में खरीदी थी। सलीम नाम का एक व्यक्ति याचिकाकर्ता को 2018 से उस जमीन से बेदखल करने की कोशिश कर रहा है, जिसकी शिकायत याचिकाकर्ता ने उच्च अधिकारियों से की थी।

दो नवंबर 2020 को जब कुछ लोग जमीन पर कब्जा करने आए, तो याचिकाकर्ता के बेटे ने पुलिस को बुलाया। लेकिन खरगापुर चौकी के प्रभारी ने उल्टा याचिकाकर्ता और उनके बेटे पर दबाव बनाना शुरू कर दिया कि वे जमीन उन लोगों को बेच दें जो उन्हें बेदखल करना चाहते हैं। इस दौरान गोमती नगर थाने के मालखाना के तत्कालीन प्रभारी अवधेश सिंह ने याचिकाकर्ता के बेटे को धमकी दी कि या तो वह जमीन उन्हें बेच दे, वरना उसने जो निर्माण किया है उसे बुलडोजर से गिरा दिया जाएगा।

गोमती नगर थाने के ही एक अन्य दरोगा अरविंद पंत पर भी याची के बेटे को धमकाने का आरोप है। इसमें कहा गया कि धमकियों के बावजूद, जब याचिकाकर्ता अपनी जमीन बेचने के लिए तैयार नहीं हुआ, तो सलीम के पिता मोहम्मद हनीफ ने मालखाना प्रभारी अवधेश सिंह की पत्नी उर्मिला सिंह के नाम एक बैनामा किया। इस बैनामे में याचिकाकर्ता की जमीन की सीमाएं भी अंकित की गईं। आरोप है कि अब स्थानीय पुलिस और उक्त पुलिसकर्मी लगातार याचिकाकर्ता को जमीन से बेदखल करने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि शिकायत के बावजूद पुलिस आयुक्त और जिला मजिस्ट्रेट ने कोई कार्रवाई नहीं की। यही नहीं, मामले को दीवानी विवाद मानते हुए, लखनऊ के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) ने भी याची के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया।

निषाद पार्टी के प्रदेश सचिव पर फायरिंग, कार का दरवाजा चीरते हुए जांघ में जा धंसी गोली

बाइक सवार बदमाशों ने किया जानलेवा हमला

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के संतकबीरनगर में निषाद पार्टी के प्रदेश सचिव अब्दुल अजीम पर हुई फायरिंग की घटना से हड़कंप मच गया। अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने अजीम को गोली मारी और मौके से फरार हो गए। गोली कार के गेट को चीरते हुए सीधे अब्दुल अजीम के जांघ में जा धंसी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल अब्दुल अजीम को इलाज के लिए खलीलाबाद जिला अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है और अब वह खतरे से बाहर हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना दुधारा थाना क्षेत्र के नौवा गांव के समीप एक पेट्रोल पंप के पास देर रात हुई। जब वह बिगरामीर चौराहे से चाय पीकर स्विफ्ट कार से घर जा रहे थे। रास्ते में बिना नंबर की पल्सर बाइक पर सवार दो हमलावरों ने उनकी कार पर फायरिंग की। गोली कार का दरवाजा चीरते हुए उनके पैर में जा धंसी। पुलिस इस पूरी घटना को संदिग्ध मानते हुए जांच-पड़ताल कर रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। रंजिश के एंगल से भी घटना की जांच की जा रही है। थानाध्यक्ष के मुताबिक, कार में गोली का निशान काफी चौड़ा है, इसलिए फोरेंसिक टीम को बुलाया गया है। अभी पुलिस को कोई शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस हर एंगल से मामले की जांच कर रही है ताकि जल्द से जल्द अपराधियों को पकड़ा जा सके।

हिंदू नेता के हत्यारे से दिनदहाड़े मुठभेड़, पुलिस ने पैर में मारी गोली

आरोपी के खिलाफ पहले से 19 मुकदमे दर्ज

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुरादाबाद में हिंदू समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष कमल चौहान की गोली मारकर हत्या किए जाने के आरोपी को मुरादाबाद पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया।

कटघर थाना क्षेत्र में मुरादाबाद पुलिस ने दिनदहाड़े हत्या के आरोपी शनि दिवाकर के साथ मुठभेड़ की। इस दौरान शनि दिवाकर के दोनों पैरों में गोली लगी जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गया, घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह भी मौजूद रहे और खुद मुठभेड़ की निगरानी की। पूछताछ के दौरान घायल आरोपी शनि दिवाकर ने अपने जुर्म को कबूल कर लिया। पुलिस के अनुसार, रविवार की रात हिंदू समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष कमल चौहान की गोली मारकर हत्या की गई थी। इस मामले में पुलिस ने प्रारंभिक जांच के तहत पहले ही 6 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी थी। शनि दिवाकर के खिलाफ जनपद में पहले से ही 19 मुकदमे दर्ज हैं और वह हिस्ट्रीशीटर भी था।

एसपी सिटी रणविजय सिंह ने बताया कि हत्या के पीछे व्यक्तिगत रंजिश सामने आई है और आरोपी का क्रिमिनल रिकॉर्ड इस बात की पुष्टि करता है। मुठभेड़ के बाद मामले की तहकीकात तेज कर दी गई है। पुलिस ने यह भी बताया कि शनि दिवाकर के अलावा अन्य आरोपीयों की भी जल्द गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

जॉली एलएलबी-3 का ट्रेलर लॉन्चः कनपुरिया स्टाइल में गमछा डाल पहुंचे अक्षय कुमार

फैंस ने किया जबरदस्त स्वागत, बोले- गुटखा मत खाया करो

लखनऊ **(एजेंसी)**। बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार अपनी आगामी फिल्म जॉली एलएलबी 3 के प्रमोशन के सिलसिले में शनिवार को कानपुर पहुंचे। शहर के रेव 3 मॉल में आयोजित कार्यक्रम में अक्षय कुमार के साथ अभिनेता अरशद वारसी और वरिष्ठ कलाकार सौरभ शुक्ला भी मौजूद रहे।

ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम के दौरान मॉल में हजारों की संख्या में लोग जुटे। खास बात यह रही कि अक्षय कुमार को देखने के लिए कई फैंस वकील की ड्रेस पहनकर पहुंचे। अक्षय खुद पारंपरिक कनपुरिया अंदाज़ में नजर आए, उन्होंने गले में बड़ा लाल गमछा डाला हुआ था।

अरशद वारसी जहां वकील की वेशभूषा में फैंस के बीच पहुंचे, वहीं सौरभ शुक्ला फॉर्मल सूट में नजर आए। अक्षय और अरशद ने मॉल में मौजूद फैंस के बीच से गुजरते हुए सिनेमा हॉल में एंट्री ली। इस दौरान फैंस ने 'लव यू-लव यू अक्षय' के नारों से माहौल को गूंजा दिया। अक्षय ने भी फैंस का उत्साह बढ़ाते हुए कहा, 'थोड़ा वेट कीजिए, मैं आपके पास ही आ रहा हूं।'

कानपुर की पहचान माने जाने वाले ठग्गू के लड्डू भी कार्यक्रम का हिस्सा बने। अक्षय कुमार ने खुद अपने हाथों से लड्डू फैंस को बांटे, जिसे लेकर दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अनुमानित 5000 से अधिक फैंस शामिल हुए। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। कार्यक्रम के दौरान कई फैंस ने फिल्म के डायलॉग्स भी दोहराए और फिल्म को लेकर उत्सुकता जाहिर की। मूवी का टेलर लांच होने के बाद अक्षय कुमार ने पत्रकारों और कानपुर के फैंस से बात की। उन्होंने कहा- 'गुटखा खाना' बुरी बात है।

महागठबंधन में संतुलन जरूरी है, एक दल को सभी 'अच्छी' सीट और दूसरे को 'खराब' सीट नहीं मिल सकतीं : कांग्रेस

पटना **(एजेंसी)**। कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 'महागठबंधन' के घटक दलों के मध्य सीट बंटवारे को लेकर जारी बातचीत के बीच बुधवार को कहा कि सीट बंटवारे में जीत की संभावना के लिहाज से ''अच्छी'' और ''खराब'' सीट का संतुलन होना चाहिए, क्योंकि ऐसा नहीं हो सकता कि किसी एक दल के हिस्से में सारी 'खराब' सीट आ जाएं और किसी दूसरे दल को सभी 'अच्छी' सीट मिल जाएं। पार्टी के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू ने संवाददाताओं से यह भी कहा कि महागठबंधन में नए दलों के आने पर मौजूदा सभी पार्टियों को अपने हिस्से की सीट उचित अनुपात में छोड़नी होंगी। उनसे वर्ष 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों का हवाला देते हुए यह सवाल किया गया था कि क्या कांग्रेस इस बार सीट की संख्या के साथ जीत की संभावना वाली सीट लेने पर जोर देगी?

अल्लावरू ने कहा, ''हमारा शुरू से कहना रहा है कि गठबंधन में नए दल शामिल होंगे तो सभी दलों को अपने हिस्से (की सीट) से योगदान देना होगा, तभी नए लोगों को जगह मिलेगी। हर प्रदेश में 'अच्छी' सीट और 'खराब' सीट होती हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि किसी दल को सब अच्छी सीट मिलें और किसी दल को सभी खराब सीट।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सीट बंटवारे में ''अच्छी'' और ''खराब'' सीट का संतुलन होना चाहिए। उनका यह भी कहना था, ''किसी गठबंधन को आगे बढ़ाने के लिए संतुलन जरूरी है। हम सीट बंटवारे में इस चीज का विशेष ध्यान रखने का प्रयास कर रहे हैं।''

अल्लावरू ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा, ''कौन सी पार्टी कितनी सीट का त्याग कर रही है, उससे पहले यह जानना जरूरी है कि कितने नए दल गठबंधन में आ रहे हैं और उन्हें कितनी सीट दी जा रही हैं। हमारा मानना है कि हर पार्टी को अपने हिस्से से उचित अनुपात में सीट देनी होंगी।'' उन्होंने कहा, ''हमारा प्रयास है कि वक्त रहते सीट बंटवारे पर बातचीत को सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ाएं। अभी हमें इसमें सफलता मिल रही है।'' कांग्रेस नेता ने हाल ही संपन्न 'वोटर अधिकार यात्रा' को लेकर कहा कि इस यात्रा से महागठबंधन के लिए सकारात्मक असर हुआ है तथा जनता के बीच यह मुद्दा चला गया है। उन्होंने कहा कि अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद उसमें गड़बड़ियां मिलेंगी तो इसे भी उठाया जाएगा।

अल्लावरू ने आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद एक साजिश है तथा यह एक ऐसा मैच है, जिसमें अंपायर ही 'फिक्स' है। उन्होंने बताया कि ब्लॉक कमेटी और जिला कमेटी से दावेदारों के नाम 14 सितंबर तक आ जाएंगे और 19 सितंबर से स्क्रीनिंग कमेटी का काम औपचारिक रूप से शुरू हो जाएगा। बिहार में इस साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव संभावित है।

राज-उद्धव फिर मिले : क्या महाराष्ट्र में बीजेपी के खिलाफ बन रहा नया 'ठाकरे' समीकरण?

मुम्बई **(एजेंसी)**। प्रतीकात्मक इशारों से राजनीतिक रणनीति की ओर बदलाव का संकेत देते हुए, शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने बुधवार को महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे से उनके दादर स्थित आवास पर मुलाकात की, जिससे बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों से पहले संभावित गठबंधन की नींव रखी जा सके। बिना किसी पूर्व सूचना के, उद्धव, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत और विधान पार्षद अनिल परब सुबह राज ठाकरे के आवास शिवतीर्थ पहुँचे और उनसे तथा मनसे के वरिष्ठ नेताओं बाला नंदगांवकर और संदीप देशपांडे से लगभग ढाई घंटे तक बंद कमरे में बातचीत की।

बैठक से जुड़े नेताओं ने इसे विशुद्ध रूप से राजनीतिक बताया, जिसमें 227 सदस्यीय नगर निकाय के लिए सीटों के बंटवारे पर विस्तृत बातचीत हुई। सूत्रों के अनुसार, मनसे ने लगभग 90 से 95 सीटें मांगी हैं, हालाँकि शिवसेना (यूबीटी) के पदाधिकारियों ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र स्तर की बातचीत के माध्यम से इस आंकड़े को तर्कसंगत बनाया जाएगा। महाराष्ट्र सरकार द्वारा मराठी भाषी बहुल राज्य में हिंदी थोपे जाने के आरोपों के बीच कक्षा पहली से पांचवीं तक के छात्रों के लिए 'तीन-भाषा' फार्मूले पर अपने विवादास्पद आदेश को वापस लिए जाने के बाद, उद्धव और राज पांच जुलाई को मुंबई में अपनी 'जीत' का जश्न मनाने के लिए मंच पर एक साथ आए थे।

जुलाई के अंत में राज उद्धव ठाकरे को जन्मदिन की बधाई देने के लिए उपनगरीय बांद्रा स्थित उनके आवास मातोश्री पर आए थे। हालांकि राज ने 2005 में अविभाजित शिवसेना छोड़ दी थी और इसके लिए उद्धव को जिम्मेदार ठहराया था लेकिन 2024 के विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टियों की हार ने अब तक प्रतिद्वंद्वी समझे जाने वाले दोनों भाईयों को संबंध सुधारने के लिए प्रेरित किया है। राज्य में धन-संपन्न बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) समेत आगामी स्थानीय निकाय में चुनावों के मद्देनजर दोनों पार्टियों ने गठबंधन बनाने के पर्याप्त संकेत दिए हैं लेकिन अभी तक औपचारिक गठबंधन की घोषणा नहीं की गई है। अगर ऐसा होता है तो भाजपा उनकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी होगी।

शिवसेना (उबाठा) प्रमुख और मनसे अध्यक्ष के बीच हुई हालिया बैठक के बारे में पूछे जाने पर भाजपा की मुंबई इकाई के प्रमुख और विधायक अमित साटम ने बुधवार को कहा कि नागरिकों को राजनीतिक नेताओं के बीच पारिवारिक बैठकों की तुलना में विकास की अधिक चिंता है। साटम ने संवाददाताओं से कहा, बात यह नहीं है कि कौन किससे मिल रहा है और उनके पारिवारिक रिश्ते कैसे हैं बल्कि यह है कि अटल सेतु, कोस्टल रोड, वर्ली और आसपास के इलाकों में बीडीडी चॉल का पुनर्विकास किसने करवाया और पूरे मुंबई में सीसीटीवी कैमरों का विशाल नेटवर्क किसने स्थापित किया। ये प्रमुख मुद्दे हैं और मुंबईवासी इसी आधार पर वोट देंगे।

बीजेपी विधायक हार्दिक पटेल की बढ़ी मुश्किलें, गिरफ्तारी वारंट जारी

अहमदाबाद **(एजेंसी)**। गुजरात के उग्र पाटीदार आरक्षण आंदोलन का भूत भाजपा विधायक हार्दिक पटेल को फिर से सताने लगा है। अहमदाबाद की एक ग्रामीण अदालत ने बुधवार को 2018 के एक दंगा मामले में कथित भूमिका के लिए पटेल और दो अन्य के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। यह कार्रवाई बार-बार अदालत में अनुपस्थित रहने के बाद की गई है, जिससे गुजरात में कानून, राजनीति और सामुदायिक भावनाओं के बीच एक बड़े टकराव की स्थिति पैदा हो गई है। यह मामला अगस्त 2018 का है, जब पाटीदार आरक्षण आंदोलन का चेहरा रहे हार्दिक ने अपने समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन शुरू कर दिया था।

अहमदाबाद के निकोल इलाके में एक शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के रूप में शुरू हुआ यह प्रदर्शन हिंसा में बदल गया, जिसमें सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचा और पुलिस को गुस्साए समर्थकों से जूझना पड़ा। हार्दिक और उनके सहयोगियों पर दंगा करने, हिंसा भड़काने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने का मामला दर्ज किया गया। मामला अदालत में घिसटता जा रहा है। हार्दिक बार-बार सुनवाई में पेश नहीं हुए। उनकी लगातार अनुपस्थिति से नाराज़ होकर अदालत ने उन्हें तुरंत गिरफ़्तार करने का आदेश दिया।

अहमदाबाद ग्रामीण पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है और मामले में शामिल तीनों आरोपियों का पता लगाने और उन्हें हिरासत में लेने के लिए टीमें तैयार कर ली हैं। हार्दिक का कानून से यह पहला सामना नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में उनके खिलाफ कई वारंट जारी किए गए हैं। 2020 में, उन्हें आंदोलन से जुड़े एक अन्य मामले में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया, जबकि 2023 में, सुरेंद्रनगर की एक अदालत ने एक अलग वारंट जारी किया। हालाँकि राज्य सरकार ने 2022 में उनके खिलाफ राजद्रोह के कई मामले वापस ले लिए, लेकिन यह विशेष दंगा मामला अनसुलझा रहा, जिसके कारण अदालत ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया।

आम आदमी पार्टी विधायक मेहराज मलिक की हिरासत के मुद्दे पर गर्माई कश्मीर की सियासत

श्रीनगर **(एजेंसी)**। जम्मू-कश्मीर में आम आदमी पार्टी के विधायक मेहराज मलिक को जन सुरक्षा अधिनियम के तहत हिरासत में लेना एक साहसिक और आवश्यक फैसला है। विपक्षी दलों और आम आदमी पार्टी के समर्थकों का इसे 'लोकतंत्र पर हमला' बताना न केवल भ्रामक है बल्कि कश्मीर की संवेदनशील स्थिति को समझने में उनकी विफलता भी दर्शाता है।

देखा जाये तो कश्मीर घाटी और डोडा जैसे इलाकों में हालात बेहद नाजुक रहते हैं। राजनीतिक नेताओं के उत्तेजक भाषण या भीड़ को भड़काने वाले बयान अक्सर कानून-व्यवस्था को अस्थिर करते हैं। मेहराज मलिक पर आरोप है कि उन्होंने सार्वजनिक व्यवस्था में खलल डाला और प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ असम्मानजनक टिप्पणी की। ऐसे वक्त में जब कश्मीर आतंकवाद और कट्टरपंथ से जूझ रहा है, किसी भी जनप्रतिनिधि का गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार जनता को गलत दिशा में मोड़ सकता है।

उधर, आम आदमी पार्टी का दावा है कि भाजपा के इशारे पर यह कार्रवाई हुई है। लेकिन यह तर्क खोखला है। पीएसए जम्मू-कश्मीर में पहले भी विभिन्न सरकारों के दौर में लागू हुआ है और इसे राजनीतिक रंग देना जन सुरक्षा के मुद्दे को हल्का बनाना है। लोकतंत्र का अर्थ यह नहीं है कि कोई भी विधायक अपनी लोकप्रियता का इस्तेमाल अराजकता फैलाने में करे। इसके अलावा, आम आदमी पार्टी के विरोध प्रदर्शनों की आड़ में जो घटनाएं सामने आईं, जैसे डोडा में जाम के कारण बीमार बच्ची की मौत, यह बताती हैं कि ऐसे आंदोलन आम जनता की जान और सुरक्षा को खतरे में डालते हैं। आम आदमी पार्टी के नेताओं को यह समझना चाहिए कि लोकतांत्रिक अधिकार और जन सुरक्षा के बीच संतुलन ही शासन की प्राथमिकता होती है।

इसके अलावा, मेहराज मलिक की गिरफ्तारी कश्मीर की राजनीति में कई संकेत छोड़ती है। नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी ने हिरासत की निंदा की है, लेकिन जनता अच्छी तरह समझती है कि सुरक्षा से समझौता कोई विकल्प नहीं है। वहीं आम आदमी पार्टी एक वैकल्पिक राजनीति का दावा करती है, पर मेहराज मलिक जैसे नेताओं की गतिविधियां उसे 'अराजकता की राजनीति' तक सीमित कर रही हैं। देखा जाए तो चाहे कोई भी पद हो, यदि राष्ट्रीय सुरक्षा और जन व्यवस्था खतरे में पड़ती है तो कड़ी कार्रवाई होगी, यह संदेश साफ-साफ जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने दे दिया है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि मेहराज मलिक जैसी मानसिकता, जहां नेता व्यक्तिगत लोकप्रियता और भीड़ प्रबंधन के लिए प्रशासन से टकराव का रास्ता चुनते हैं, वह कश्मीर को अस्थिर करने वाली पुरानी राजनीति की झलक देती है। यह मानसिकता ही अतीत में आतंकवाद और अलगाववाद को हवा देती रही है। इसलिए अब ज़रूरी है कि ऐसे नेताओं पर सख्त कार्रवाई कर स्पष्ट संदेश दिया जाए कि लोकतांत्रिक ढांचे में रहकर ही राजनीति होगी।

सबको समझना होगा कि कश्मीर में शांति और विकास तभी संभव है जब कानून-व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। मेहराज मलिक की हिरासत प्रशासन का कड़ा लेकिन सही कदम है, जिससे यह स्पष्ट हो गया है कि जन सुरक्षा सर्वोपरि है, चाहे आरोपी कितना भी बड़ा राजनीतिक चेहरा क्यों न हो।

महिला वनडे विश्व कप के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान डेवाइन को मिली कमान, चार नए चेहरे टीम में

वेलिंग्टन **(एजेंसी)**। न्यूजीलैंड ने भारत और श्रीलंका में होने वाले आगामी महिला एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी टीम में अनकैप्ड ऑलराउंडर फ्लोरा डेवनशायर को जगह दी है। चयनकर्ताओं ने पॉली इंग्लिस, बेला जेम्स और ब्री इलिंग को भी विश्व कप टीम में जगह दी है। इन सभी खिलाड़ियों के नाम कुल मिला कर आठ एकदिवसीय मैच हैं।

बाएं हाथ की 22 साल की स्पिनर डेवनशायर ने इसी साल श्रीलंका के खिलाफ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टी-20 मैच खेला था। इसके अलावा जून-जुलाई के दौरान जब न्यूजीलैंड ए की टीम इंग्लैंड गई थी तो वह भी टीम का हिस्सा थीं। 15 खिलाड़ियों की टीम में डेवनशायर के शामिल होने के कारण 26 एकदिवसीय मैच खेलने वाली साथी बाएं हाथ की स्पिनर फ्रान जोनास को टीम में जगह नहीं बना पाई है। डेवनशायर ने अभी तक एक भी एकदिवसीय मैच नहीं खेला है।

न्यूजीलैंड मुख्य कोच बेन सॉयर ने कहा, 'जब किसी एक ही स्थान के लिए कई खिलाड़ियों का विकल्प मौजूद हो तो मुश्किल निर्णय लेने पड़ते हैं। फ्रान जैसी अच्छी खिलाड़ी को टीम से बाहर रखना एक कठिन फैसला था।' सॉयर ने कहा, 'मैं खासतौर पर उन चार खिलाड़ियों की सराहना करना चाहूंगा जो अपना पहला विश्व कप खेलने वाली हैं। उन सभी ने इस मौके को अपनी मेहनत से हासिल किया है और मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि वे टूर्नामेंट में कैसा प्रदर्शन करती हैं। मैं टीम के संतुलन से बहुत खुश हूं।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि हमारे पास परिस्थितियों और विपक्षी टीमों को देखते हुए एक अच्छा संतुलन है। फ्लोरा के पास बल्लेबाजी के साथ एक आक्रामक सोच और कौशल है, जो निचले क्रम में बेहद महत्वपूर्ण है। बेला एक बहुमुखी बल्लेबाज हैं जो मैदान के चारों ओर 360 डिग्री शॉट मार सकती हैं और किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी कर सकती हैं।'

सॉयर ने कहा, 'मैं ईमानदारी से कह सकता हूं कि इस टीम के साथ जिन चार वैश्विक आयोजनों का मैं हिस्सा रहा हूं, उसकी तुलना में यह टीम सबसे बेहतर है। अप्रैल के बाद से हमारे कैलेंडर में कोई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं होने से हमें खासतौर पर अपने शारीरिक कौशल पर कड़ी मेहनत करने का अवसर मिला है, जो भारत में निर्णायक साबित हो सकता है।'

टीम 13 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात के लिए रवाना होगी, जहां टूर्नामेंट से पहले के कैंप में इंग्लैंड के साथ दो अभ्यास मैच खेलने है और उसके बाद वे भारत के लिए रवाना होंगी। उनका पहला विश्व कप मैच एक अक्टूबर को इंदौर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ है।

महिला वनडे विश्वकप के लिए न्यूजीलैंड टीम : सोफी डिवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, ईडन कार्सन, फ्लोरा डेवनशायर, इज्जी गेज , मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, बेला जेम्स, जेस कर, अमेलिया कर, रोजमेरी मायर, जॉर्जिया प्लीमर और ली ताहुहू।

एशिया कप : हांगकांग के खिलाफ बांग्लादेश की नजरें मजबूत शुरूआत पर

अबु धाबी **(एजेंसी)**। बांग्लादेश की टीम एशिया कप में अपने अभियान का आगाज शेख जायेद स्टेडियम पर यहां बृहस्पतिवार को हांगकांग के खिलाफ करेगी जिसे पहले मैच में अफगानिस्तान ने बुरी तरह हराया है।

एशिया कप के उद्घाटन मैच में अफगानिस्तान ने हांगकांग को 94 रन से हराया। अफगानिस्तान के छह विकेट पर 188 रन के जवाब में हांगकांग की टीम नौ विकेट पर 94 रन ही बना सकी थी । उसके सिर्फ दो बल्लेबाज दोहरे अंक तक पहुंच सके और उसकी कमजोर बल्लेबाजी पर एक बार फिर दबाव होगा। उसके गेंदबाजों को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

दूसरी ओर श्रीलंका और अफगानिस्तान के खिलाफ ग्रुप चरण के कठिन मुकाबलों से पहले बांग्लादेश की टीम मजबूत शुरूआत करना चाहेगी। बांग्लादेश की टीम 2012, 2016 और 2018 में फाइनल में पहुंची लेकिन हर बार भारत और श्रीलंका जैसे दिग्गजों के खिलाफ उसे पराजय का सामना करना पड़ा।

लिटन दास टीम के कप्तान होंगे जिनका यह पांचवां एशिया कप है लेकिन पहली बार पूर्णकालिक कप्तान के तौर पर खेलेंगे। विकेटकीपर और बल्लेबाज के तौर पर उनकी मौजूदगी टीम को स्थिरता देती है। नुरूल हसन भी तीन साल बाद टीम में लौटे हैं जिससे बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग के विकल्प बढे हैं। तौहीद हृदय मध्यक्रम को आक्रामकता देते हैं जबकि मुस्ताफिजूर रहमान के पास डैथ ओवरों में विविधता है। नयी गेंद संभालने वाले तंजीम हसन साकिब का फॉर्म अतिरिक्त बोनस है । बांग्लादेश ने पिछली तीन श्रृंखलाओं में श्रीलंका, पाकिस्तान और नीदरलैंड को हराया है।

लिटन ने ट्रॉफी अनावरण समारोह में मंगलवार को कहा, 'हमने अभी तक चैम्पियनशिप नहीं जीती है लेकिन वह अतीत की बात है । यहां कई चुनौतियां होंगी जो आसान नहीं होंगी लेकिन हमारा फोकस टीम के रूप में बेहतर प्रदर्शन पर रहेगा।'

बांग्लादेश की टीम : लिटन दास (कप्तान), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, सैफ हसन, तौहीद हृदय, जाकिर अली, शमीम हुसैन, नुरूल हसन, मेहदी हसन, रिषाद हुसैन, नासुम अहमद, मुस्ताफिजूर रहमान, तंजीम हसन, तसकीन अहमद, शरीफुल इस्लाम, मोहम्मद सैफुद्दीन।

हांगकांग की टीम : यासिम मुर्तजा (कप्तान), बाबर हयात, जीशान अली, निजाकत खान मोहम्मद, नसरूल्ला राणा, मार्टिन कोएत्जी, अंशुमान रथ, कल्हान मार्क चाल्लू, आयुष शुक्ला, मोहम्मद ऐजाज खान, अतीक उल रहमान इकबाल, किंचित शाह, अली हसन, शाहिद वसीफ, गजांफर मोहम्मद, मोहम्मद वाहीद, एहसान खान। मैच का समयः रात आठ बजे से।

एज्योर पावर ने रिश्वत मामला अमेरिकी अदालत में 2.3 करोड़ डॉलर में निपटाया

न्यूयॉर्क **(एजेंसी)**। सौर ऊर्जा विनिर्माता एज्योर पावर ने कथित रिश्वतखोरी और अन्य अनियमितताओं से जुड़े मामले को अमेरिकी जिला न्यायालय में 2.3 करोड़ डॉलर का भुगतान कर निपटा लिया है। न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध कंपनी ने मंगलवार को कहा कि यह निपटान उसे आगे बढ़ने में सक्षम बनाएगा।

न्यूयॉर्क जिला न्यायालय में दायर अभियोग के मुताबिक, एज्योर और इसके पूर्व कार्यकारी अधिकारियों- रंजीत गुप्ता, मुरली सुब्रमण्यम एवं पवन कुमार अग्रवाल पर आंकड़ों को गलत ढंग से पेश करने और नई परियोजनाएं हासिल करने के लिए कथित तौर पर रिश्वत देने का आरोप था।

अभियोग के मुताबिक, कंपनी के इन अधिकारियों ने भ्रष्टाचार-रोधी और रिश्वत-रोधी कानूनों का उल्लंघन करने के साथ निवेशकों को भी नुकसान पहुंचाया, जिन्होंने एज्योर के शेयर कृत्रिम रूप से बढ़ी कीमतों पर खरीदे।

कंपनी ने बताया कि अप्रैल, 2025 में कंपनी और अदालत द्वारा नियुक्त प्रमुख शिकायतकर्ता के बीच निपटान समझौता हुआ था। इस समझौते को अदालत ने 30 अप्रैल, 2025 को प्रारंभिक मंजूरी दी थी और अब इसे अंतिम मंजूरी भी मिल गई है। निपटान समझौते के अनुरूप 2.3 करोड़ डॉलर की राशि पहले ही निर्दिष्ट एस्क्रो खाते में जमा कर दी गई है।

एक जनवरी, 2020 से 20 नवंबर, 2024 के बीच एज्योर के शेयर खरीदने वाले सभी व्यक्तियों और संस्थाओं में यह निपटान राशि वितरित की जाएगी। एज्योर पावर ने कहा, "कंपनी उच्चतम नैतिक एवं नियामकीय मानकों के पालन के लिए प्रतिबद्ध है। यह निपटान कंपनी को टिकाऊ ऊर्जा समाधान देने और शेयरधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाएगा।

हांगकांग ओपन : पीवी सिंधु की शर्मनाक हार

निचली रैंकिंग वाली डेनमार्क की खिलाड़ी से हारकर हुईं बाहर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू बुधवार को हांगकांग ओपन से बाहर हो गईं। सिंधू को डेनमार्क की गैर वरीय लाइन क्रिस्टोफरसन ने तीन गेम में मात देकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

पिछले महीने बीएडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में शिकस्त झेलने वाली सिंधू को हांगकांग ओपन के अंतिम-32 के मुकाबले में दानिश शटलर के हाथों 21-15, 16-21, 19-21 के अंतर से शिकस्त झेलनी पड़ी। 25 साल की क्रिस्टोफरसन के खिलाफ 6 मैचों में सिंधू की ये पहली हार रही। वह एक घंटे से कम अवधि में मुकाबला गंवा बैठीं। सिंधू इस साल स्विस और जापान ओपन से जल्दी बाहर हुई थी। उन्होंने वर्ल्ड चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचकर फॉर्म में वापसी के संकेत दिए थे। मगर वो हांगकांग ओपन में दमदार प्रदर्शन करने में कामयाब नहीं हो पाईं।

पीवी सिंधू ने पहले गेम में 3-1 की शुरुआती बढ़त बनाई, लेकिन दानिश शटलर ने दमदार वापसी करके स्कोर 5-5 से बराबर कर दिया। फिर सिंधू ने एक अंक की अपनी बढ़त को कायम रखते हुए स्कोर 14-13 कर दिया। यहां से भारतीय शटलर ने अपने खेल को और निखारा और पहला गेम 6 अंक के अंतर से जीत लिया।

पीवी सिंधू ने दूसरे गेम में भी 13-12 की बढ़त बना रखी थी और लग रहा था कि वो लगातार छठी बार दानिश खिलाड़ी को मात दे देंगी। लेकिन भारतीय शटलर को अपनी गलतिया भारी पड़ गईं। सिंधू ने लगातार पांच अंक गंवा दिए और दूसरा गेम पांच अंक के अंतर से गंवा दिया।

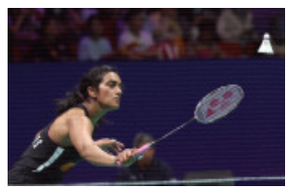

पाकिस्तान क्रिकेट टीम को मिली बड़ी खुशखबरी, आईसीसी ने दिया जीत का तोहफा

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। एशिया कप2025 के बीच पाकिस्तान टीम के लिए बडी खबर है। दरअसल, हाल ही में समाप्त हुई ट्राई सीरीज का खिताब जीतकर पाकिस्तान को बड़ा फायदा हुआ है। टीम ने आईसीसी मेंस टी20 इंटरनेशनल प्लेयर रैंकिंग में टॉप पर पहुंच गई है।

बता दें कि, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और यूएई के बीच एशिया कप से पहले ट्राई सीरीज खेली गई थी। फाइनलमें पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को 75 रन से शिकस्त दी थी। पाकिस्तान के गेंदबाजों को भी इसका फायदा मिला है।

वहीं बाएं हाथ के स्पिनर सूफियान मुकीम फाइनल में दो विकेट लेने के बदौलत सात पायदान ऊपर चढ़कर 15वें स्था पर आ गए हैं, तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी चार पायदान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर हैं, जबकि लेग स्पिनर अबरार इस टूर्नामेंट में दो मैचो में 6 विकेट लेने वाले 39 पायदान ऊपर चढ़कर 27वें स्थान पर हैं।

मोहम्मद नवाज को उनके 10 विकेटों के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। बाएं हाथ के इस गेंदबाज को टी20 इंटरनेशनल गेंदबाजों की सूची में 13 पायदान ऊपर चढ़कर 30वें स्थान पर पहुंचने का इनाम मिला। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी टॉप पर बने हुए हैं। इसके अलावा ताजा वनडे रैंकिंग में भी काफी बदलाव हुआ है। इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के खिलाड़ियों ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका द्वारा 2-1 से जीती गई सीरीज के बाद बढ़ हासिल की है। जोफ्रा आर्चर ने सीरीज में 8 विकेट चटकाए थे।

उन्हें वनडे गेंदबाजी की रैंकिंग में 16 स्थान की छलांग लगाई है और वह तीसरे स्थान पर आ गए हैं। आर्चर नंबर 1 वनडे गेंदबाज केशव महाराज से केवल 26 रेटिंग अंक पीछे हैं, जबकि साउथ अफ्रीका के इस स्पिनर ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में 8 विकेट अपने नाम करके रैंकिंग में टॉप स्थान हासिल किया।

आरबीआई ने यस बैंक के निदेशक मंडल में बदलाव का मंजूरी दी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। यस बैंक ने बुधवार को कहा कि आरबीआई ने बोर्ड में नामित निदेशकों की नियुक्ति के संबंध में बैंक के गठन और कामकाज से जुड़े नियमों में प्रस्तावित बदलावों को मंजूरी दे दी है। ये बदलाव सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉरपोरेशन (एसएमबीसी) के दो नामित निदेशकों और एसबीआई के एक नामित निदेशक को बोर्ड में नामित करने से संबंधित हैं।

बोर्ड में ये बदलाव जापान के एसएमबीसी द्वारा यस बैंक में एसबीआई और अन्य सात बैंकों की हिस्सेदारी हासिल करने के बाद प्रभावी होंगे। यस बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि बैंक को गठन और कामकाज से जुड़े नियमों (आर्टिकल ऑफ एसोसएिशन-एओए) में प्रस्तावित संशोधनों के लिए नौ सितंबर, 2025 के पत्र के माध्यम से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से मंजूरी मिल गई है।

यस बैंक ने नौ माई खुलासा किया था कि एसएमबीसी ने 20 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की योजना बनाई है। इसमें भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) से 13.19 प्रतिशत और सात अन्य बैंकों... एक्सिस बैंक, बंधन बैंक, फेडरल बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक से 6.81 प्रतिशत हिस्सेदारी शामिल है।

इस महीने की शुरुआत में, प्रस्तावित सौदे को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की मंजूरी मिल गई थी। पिछले महीने, आरबीआई ने भी इस सौदे को मंजूरी दे दी थी। इसमें स्पष्ट किया गया था कि एसएमबीसी को यस बैंक के प्रवर्तक के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाएगा। एसबीआई, की वर्तमान में बैंक में 24 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इस सौदे के बाद उसकी हिस्सेदारी घटकर 10 प्रतिशत से थोड़ी अधिक हो जाएगी।

चेहरे से होगी एंट्री! सितंबर से 4 और एयरपोर्ट पर 'डिजी यात्रा', खत्म होंगी लंबी कतारें

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि इस महीने के अंत तक चार और हवाई अड्डों पर डिजी यात्रा सुविधा लागू हो जाएगी। सूत्रों के अनुसार, इन चार हवाई अड्डों के नाम इस सप्ताह के अंत तक घोषित किए जाने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, डिजी यात्रा को 22-23 सितंबर को विशाखापत्तनम में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार (एनएईजी) में स्वर्ण पदक प्राप्त होगा।

फरवरी में, भारत के अग्रणी हवाई यात्रा ऐप, डिजी यात्रा ने 1 करोड़ से अधिक डाउनलोड प्राप्त करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। इस उल्लेखनीय उपलब्धि ने ऐप की बढ़ती लोकप्रियता और भारत में हवाई यात्रा पर इसके परिवर्तनकारी प्रभाव को उजागर किया। दिसंबर 2022 में स्थापित, डिजी यात्रा एक स्व-संप्रभु पहचान (एसएसआई)-आधारित पारिस्थितिकी तंत्र है जो हवाई अड्डों पर संपर्क रहित और निर्बाध यात्री प्रसंस्करण के लिए चेहरे की बायोमेट्रिक तकनीक का उपयोग करता है, और भारत के 24 हवाई अड्डों पर गोपनीयता-सुरक्षात्मक और कुशल यात्रा अनुभव प्रदान करता है। इसने अब तक 45 मिलियन से अधिक निर्बाध यात्राओं को सुगम बनाया है, जिससे असंख्य यात्रियों को एक सहज अनुभव प्राप्त हुआ है। लगभग 10 मिलियन उपयोगकर्ताओं और 30, 000 ऐप डाउनलोड के प्रभावशाली दैनिक औसत के साथ, यह प्लेटफॉर्म डिजिटल यात्रा समाधानों में मानक स्थापित कर रहा है। डिजी यात्रा की 2025 के लिए महत्वाकांक्षी योजनाएँ हैं। इस प्लेटफ़ॉर्म का लक्ष्य सभी 22 आधिकारिक भारतीय भाषाओं का समर्थन करना, भाषा संबंधी बाधाओं को दूर करना और यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक यात्री अपनी पसंदीदा भाषा में हवाई अड्डे की प्रक्रियाओं को आत्मविश्वास से नेविगेट कर सके।

डिजी यात्रा का लक्ष्य एक अंतर्राष्ट्रीय पायलट परियोजना का संचालन करना भी है, जिससे इलेक्ट्रॉनिक पासपोर्ट (ई-पासपोर्ट) वाले विदेशी यात्री इसके निर्बाध पारिस्थितिकी तंत्र का अनुभव कर सकें। डिजी यात्रा फाउंडेशन, डिजी यात्रा सेंट्रल इकोसिस्टम और अत्याधुनिक स्व-संप्रभु पहचान (एसएसआई)-आधारित विकेन्द्रीकृत इकोसिस्टम पर निर्मित ऐप्स का संचालन और प्रबंधन करता है, जो हवाई अड्डों पर संपर्क रहित और निर्बाध यात्री प्रसंस्करण के लिए फेशियल बायोमेट्रिक तकनीक का उपयोग करता है। भारत भर में 24 हवाई अड्डों पर परिचालन और लगभग 10 मिलियन उपयोगकर्ताओं को सेवा प्रदान करने के साथ, डिजी यात्रा डेटा गोपनीयता और सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए हवाई यात्रा में क्रांति ला रही है।

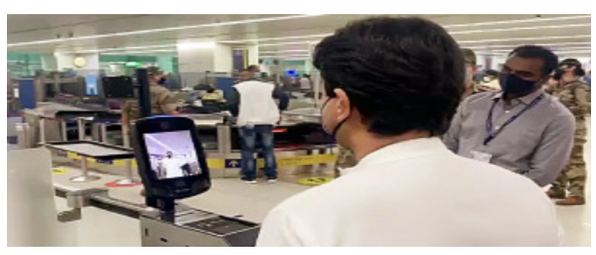

रुपया शुरुआती कारोबार में पांच पैसे की बढ़त के साथ 88.10 प्रति डॉलर पर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के प्रवाह और अन्य विदेशी मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर होने से बुधवार को शुरुआती कारोबार में रुपया पांच पैसे की बढ़त के साथ 88.10 प्रति डॉलर पर खुला।

हालांकि, विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में मामूली वृद्धि ने स्थानीय मुद्रा में तेज बढ़त को रोक दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में, रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.11 पर खुला और फिर 88.10 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त है। मंगलवार को रुपये ने अपनी शुरुआती बढ़त गंवा दी छह पैसे टूटकर 88.15 प्रति डॉलर के अपने रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार को, रुपये ने दिन में कारोबार के दौरान 88.38 प्रति डॉलर के अपने सर्वकालिक निचले स्तर को छुआ था। हालांकि, बाद में यह तीन पैसे बढ़कर 88.09 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.45 प्रतिशत गिरकर 97.90 पर आ गया। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 0.86 प्रतिशत बढ़कर 66.96 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

शहनाज़ गिल के भाई शहनाज़ गिल की बिग बॉस 19 में तूफानी एंट्री, वाइल्डकार्ड बनकर मचाया धमाल

अभिनेत्री और गायिका शहनाज़ गिल ने बिग बॉस 13 में अपने यादगार प्रदर्शन से दर्शकों और सलमान खान दोनों का दिल जीत लिया। अब, उनके भाई शहबाज़ बदेशा बिग बॉस 19 में सीज़न के पहले वाइल्डकार्ड प्रतियोगी के रूप में अपना आकर्षण और व्यक्तित्व दिखाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शहनाज गिल के भाई, शहबाज़ बदेशा, आखिरकार वाइल्डकार्ड प्रतियोगी के रूप में 'बिग बॉस 19' के घर में कदम रख चुके हैं, और इस सीज़न को एक अलग ऊँचाई पर ले जाने का वादा किया है। शहबाज़ को शुरू से ही शो में शामिल होना था, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। घर में प्रवेश करने से पहले, उन्होंने इंडिया टुडे से बात की और शो में आने के बारे में खुलकर बात की।

शहबाज़ ने दिवंगत अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला, जो उनके करीबी पारिवारिक मित्र और सीज़न 13 के विजेता थे, को याद किया और बताया कि कैसे उन्होंने एक बार भविष्यवाणी की थी कि शहबाज़ एक दिन 'बिग बॉस' में होंगे। अपने बारे में बात करते हुए, शहबाज़ ने कहा, 'मुझे पता है कि एक ही जगह पर होना भावुक कर देने वाला होगा, लेकिन मैं इन भावनाओं को अपनी ताकत बनाऊँगा। मुझे पता है कि वह मुझे जीतते देखना चाहेंगे।'

अब बिग बॉस 19 में आने के साथ ही उनके सफर ने एक बड़ा मोड़ ले लिया है। आइए उनके परिवार और करियर पर एक नज़र डालते हैं। 19 मई 1991 को अमृतसर, पंजाब में जन्मे, शहबाज 34 वर्षीय हैं और एक सिख परिवार में पले-बढ़े हैं। संगीत और टेलीविजन में शहनाज गिल की सफलता सोशल मीडिया पर उनकी लोकप्रियता की पहली सीढ़ी थी। कैमरे के सामने उनकी सहज सहजता और उनके स्पष्ट व्यक्तित्व ने उन्हें 2019 में बिग बॉस 13 में पदार्पण करते ही दर्शकों से जुड़ने में मदद की। शहबाज़ बदेशा की गर्मजोशी भरी बातचीत और जीवंत स्वभाव ने उन्हें दर्शकों के लिए तुरंत यादगार बना दिया। इसके बाद, उन्होंने मुझसे शादी करोगे (2020) में अभिनय किया, जिससे उन्हें खुद को सिर्फ़ शहनाज़ के भाई से बढ़कर दिखाने का मौका मिला।

उर्फी जावेद को किया जा रहा हरैस, तस्वीर के साथ हुई गंदी हरकत, वायरल करने की मिली धमकी

सोशल मीडिया पर लड़कियों की फोटोज का मिसयूज करना आज एक बड़ी समस्या बन चुका है। कई बार तो उनकी तस्वीरों को मॉर्फ कर वायरल करने या ब्लैकमेल करने की धमकियां दी जाती हैं। इस तरह की घटनाओं का शिकार सिर्फ आम लड़कियां ही नहीं बल्कि सेलेब्स भी होते हैं। ताजा मामला अपने अतरंगी ड्रेसिंग सेंस से सुर्खियों में बनी रहने वाली 'बिग बॉस ओटीटी' फेम और 'ट्रेटर्स' विनर उर्फी जावेद से जुड़ा सामने आया है। किसी शख्स ने उनकी पिक्चर्स के साथ छेड़छाड़ करके उन्हें वायरल करने की धमकी दी है। जिसकी जानकारी देते हुए एक्ट्रेस ने एक पोस्ट शेयर किया है।

उर्फी जावेद ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने एक शख्स की प्रोफाइल को साझा करते हुए लिखा, 'ये शख्स मेरी तस्वीरों से छेड़छाड़ करके उन्हें अपलोड करने के लिए मुझे परेशान कर रहा है (सच कहूं तो उसने एक तस्वीर के साथ छेड़छाड़ कर भी दी और मुझे भेजी भी)। मुझे यकीन नहीं होता ये लोग आज मौजूद इस टेक्नोलॉजी के साथ क्या कर रहे हैं।'

उर्फी जावेद ने आगे लिखा, 'मैं इस पर ऑफिशियल कंप्लेंट दर्ज करवाऊंगी, लेकिन लेडीज अगर आप ऐसी किसी परिस्थिति में हैं, तो प्लीज डरिए मत, जाइए और पुलिस कम्प्लेंट कीजिए। प्रॉब्लम आप नहीं हैं, वो इस तरह के आदमी हैं जो सोसाइटी पर धब्बा हैं।' बता दें कि, जो शख्स उर्फी जावेद की फोटो के साथ गंदी हरकत करके उन्हें धमका रहा है वो एक रील क्रिएटर है, जिसके इंस्टाग्राम पर उसके 4 हजार के करीब फॉलोअर्स हैं।

आजकल इंटरनेट पर तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ कर ब्लैकमेल करने के मामले काफी ज्यादा बढ़ गए हैं। इन मामलों में अपराधी लड़कियों और महिलाओं की तस्वीरों को गलत तरीके से एडिट करके उन्हें धमकाते हैं। ऐसे में उर्फी जावेद के साथ हुई इस घटना से वह डरी नहीं बल्कि उन्होंने उस शख्स की हेकड़ी निकाल दी और बाकी लड़कियों के लिए भी हिम्मत की मिसाल बनीं।